● जयपुर, शनिवार 23 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 95 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के मार्गदर्शन में ...

पेज @4 जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के कुशल निर्देशन और ...

पेज @8 अडानी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी से कराई जाए :डोटासरा...

संक्षिप्त खबरें

ज्ञानवापी विवाद : मस्जिद प्रबंधन समिति को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की हिंदू पक्ष की याचिका पर मस्जिद प्रबंधन समिति 'अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद' को नोटिस जारी करके 17 दिसंबर 2024 तक जवाब दाखिल करने का शुक्रवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह नोटिस जारी किया। हिंदू पक्ष की याचिका में 'शिवलिंग' पाए जाने वाले क्षेत्र का एएसआई सर्वेक्षण कराने की गुहार लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुकदमों को एक निचली अदालत, जिला न्यायाधीश के समक्ष रखना बेहतर होगा, जहां मुख्य मुकदम लंबित है। ऐसा करने के बाद उच्च न्यायालय साक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने वाला पहला अपीलीय अदालत हो सकता है।

नौसेना ने पनडुब्बी से टकराने वाली नौका पर सवार 11 लोगों को बचाया

नयी दिल्ली। नौसेना ने उसकी एक पनडुब्बी से टकराने वाली नौका पर सवार 13 में से 11 लोगों को बचा लिया है। नौसेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि माथोर्मा नाम की यह नौका गुरूवार शाम गोवा के निकट एक पनडुब्बी से टकरा गयी थी। इस नौका पर 13 भारतीय मछुआरे सवार थे। नौसेना ने जहाजों और विमानों के साथ तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर चालक दल के 11 सदस्यों को बचा लिया जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है। खोज और बचाव अभियान में तटरक्षक बल के जहाजों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

आसाराम की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 वर्षीय स्वयंभू बाबा आसाराम बापू की मेडिकल आधार पर जमानत की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया और तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा कि चूंकि यह पोक्सो का मामला है, इसलिए यह अदालत मेडिकल आधार पर जमानत की इस याचिका पर विचार करेगी।

मणिपुर : सुबह 5 से दोपहर 12 तक कर्फ्यू में ढील दी गई

इंफाल। मणिपुर में शुक्रवार सुबह 5 से दोपहर 12 तक कर्फ्यू में ढील दी गई। कर्फ्यू में ढील के समय में लगातार बदलाव हो रहे हैं। शुरूआत में सभी जिलाधिकारियों ने कर्फ्यू में ढील के समय सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक के आदेश दिए थे। बाद में इसे घटनाकर दोपहर 12 बजे कर दिया गया। मणिपुर सरकार ने शुक्रवार को इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों के सभी इलाकों में सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। मजिस्ट्रेटों ने जारी आदेश में कहा कि लोगों को दवाइयों, खाद्य पदार्थों आदि सहित आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए प्रतिबंध में ढील दी गई। यह छूट किसी भी प्रकार की सभा, बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही, धरना-प्रदर्शन, रैली आदि पर लागू नहीं होगी।

गुयाना : प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय को किया संबोधित, बोले आप भारत के 'राष्ट्रदूत'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुयाना में भारतीय समुदाय को जनवरी 2025 में भारत में आयोजित होने वाले महाकुंभ और प्रवासी भारतीय दिवस में भाग लेने का निमंत्रण दिया। उन्होंने प्रवासी सदस्यों को 'राष्ट्रदूत' यानी भारत की संस्कृति और मूल्यों के राजदूत कहा और उनसे दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'समुद्र पार होने के बावजूद, भारत माता के साथ हमारा सांस्कृतिक संबंध मजबूत है।' प्रधानमंत्री ने जॉर्जटाउन के नेशनल सेंटर में भारतीय प्रवासियों की एक सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति इरफान अली, प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री का असाधारण गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

● प्रवासी भारत की संस्कृति और मूल्यों के राजदूत होने के साथ संबंधों की मजबूत कड़ी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और स्थिरता के क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति और परिवर्तन को रेखांकित किया। उन्होंने वित्तीय समावेशन, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और समावेशी विकास जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। भारत-गुयाना के विशेष संबंधों पर विचार करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान कई नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और ये खाद्य सुरक्षा, रक्षा, ऊर्जा सहयोग और जलवायु परिवर्तन कार्रवाई के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेंगे।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति अली को उनके आतिथ्य और गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस सम्मान को भारत और गुयाना के बीच मित्रता के विशेष बंधन को समर्पित किया, जो उन्होंने कहा कि साझा विरासत और पारिवारिक संबंधों पर आधारित है। भारत-गुयाना की यात्रा के इतिहास पर विचार करते हुए उन्होंने समुदाय के हर परिस्थिति में ढलने, सांस्कृतिक समृद्धि और गुयाना के भाग्य को आकार देने में इसकी भूमिका की प्रशंसा की।

झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम आज : 9.30 बजे तक आयेगा पहला रुझान

इंतजार की घड़ियां खत्म होने ही वाली हैं। कल (शनिवार) सुबह 8 बजे से महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे और साफ हो जाएगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सज रहा है। महाराष्ट्र में बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) का गठबंधन महायुति राज्य में सत्तासीन है। इनका मुकाबला शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) तथा कांग्रेस के गठबंधन महा विकास अघाड़ी से हुआ। महाराष्ट्र को लेकर जो भी एग्जिट पोल्स सामने आए हैं उसमें महायुति गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है, लेकिन कइयों ने महाविकास अघाड़ी और महायुति में कांटे की टक्कर की बात भी कही है। एग्जिट पोल्स कुछ भी कहें लेकिन सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा ये तो पुख्ता तौर पर नतीजों के बाद ही साफ होगा। वैसे, इस बार का चुनाव बेहद खास है क्योंकि बीते 30 सालों में इस बार विधानसभा चुनाव का वोटिंग प्रतिशत 65.1 यानी सबसे ज्यादा रहा है। बता दें कि महाराष्ट्र में कुल 288 सीटें हैं और बहुमत के लिए 145 सीटों की जरूरत है। वहीं झारखंड की बात करें तो यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में कांग्रेस के गठबंधन की सरकार सत्तारूढ़ है। बीजेपी विधानसभा चुनाव 2024 में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) तथा जनता दल यूनाइटेड (जदयू) व लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के साथ मिलकर लड़ा। मुख्य मुकाबला दोनों के बीच हुआ। झारखंड की कुल 81 सीटों के नतीजों से पहले तमाम न्यूज चैनलों और सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल आ चुके हैं। झारखंड में सिर्फ एक्सिस माय इंडिया ने अपने एग्जिट पोल में आईएनडीआईए को बहुमत मिलता दिखाया है। एग्जिट पोल में आईएनडीआईए के लिए 53 सीटों का अनुमान है। जबकि एनडीए के लिए 25 सीटों का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा के लिए जितने भी एग्जिट पोल्स सामने आए सभी ने झारखंड के लिए एनडीए को बहुमत दिखाया है। खैर ये तो नतीजों से ही साफ होगा कि वापस हेमंत सोरेन की सरकार बनने जा रही है या फिर बीजेपी अपने फॉर्मुले को चलाने में हिट साबित हुई है।

इंतजार की घड़ियां खत्म, किसके सिर पर सजेगा ताज, फैसला आज

एजेंसी

रांची। झारखंड में 81 विधानसभा सीटों के लिए सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी और पहला रुझान 9.30 बजे तक मिलने की संभावना है। वहीं सबसे पहले खूंटी जिले के तोरपा विधानसभा सीट के लिए चुनाव परिणाम सामने की उम्मीद है, जबकि सबसे आखिर में चतरा सीट के लिए परिणाम आएगा। चुनाव आयोग के अनुसार तोरपा विधानसभा क्षेत्र की काउंटिंग 13 राउंड में समाप्त हो जाएगी। जबकि चतरा विधानसभा क्षेत्र का परिणाम 27 वें राउंड के बाद आएगा। सबसे ज्यादा टेबल बोकारो में लगाए गए हैं, यहां वोटों की काउंटिंग के लिए 30 टेबल लगाए गए हैं। जबकि 14 क्षेत्रों में 14-14 टेबल लगाए गए हैं।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी मतगणना केंद्रों पर मतगणना के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग से मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। अंतिम चुनाव परिणाम शाम पांच बजे के पहले तक आने की संभावना है। वैसे तैयारी शाम चार बजे तक मतगणना की पूरी प्रक्रिया पूरी कर लेने की है।

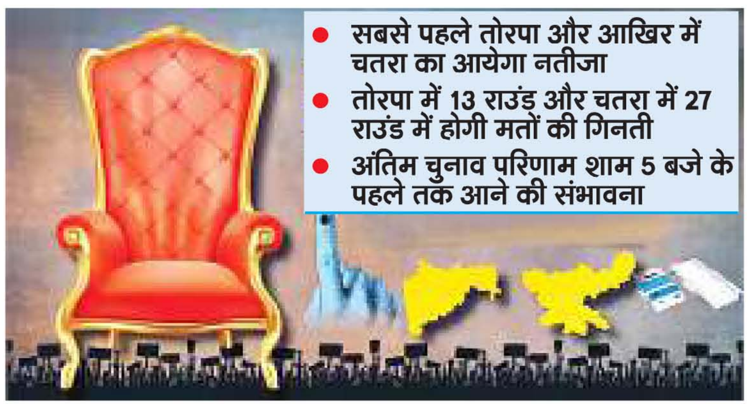

- सबसे पहले तोरपा और आखिर में चतरा का आयेगा नतीजा
- तोरपा में 13 राउंड और चतरा में 27 राउंड में होगी मतों की गिनती
- अंतिम चुनाव परिणाम शाम 5 बजे के पहले तक आने की संभावना

पहले होगी डाक मतपत्रों की गिनती

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि डाक मतपत्र की निष्पक्ष गणना सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक टेबल का नेतृत्व सहायक निर्वाची पदाधिकारी करेंगे। उन्होंने बताया कि पहले डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू होगी। नतीजे सुबह 9 से 9.30 बजे आने शुरू होंगे। पोस्टल बैलेट और ईटीपीबीएस के लिए अलग-अलग टेबल स्थापित की गई हैं।

झारखंड के 29563 बूथों में से किसी पर भी पुनर्मतदान नहीं

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस बार झारखंड में 29563 मतदान केंद्रों में से किसी में भी पुनर्मतदान नहीं हुआ। भारतीय वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के समन्वित प्रयासों से मतदान कर्मियों और सुरक्षाबलों को राज्य के सुदूर कोने तक ले जाने और वापस लाने में सहायता मिली।

74 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी

81 विधानसभा क्षेत्रों में से 75 विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुष मतदाताओं से अधिक रही। यह भी उल्लेखनीय है कि 74 विधानसभा क्षेत्रों में 2019 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान में वृद्धि देखी गई। जबकि नाला विधानसभा क्षेत्र में राज्य में सबसे अधिक 80.56 प्रतिशत मतदान हुआ।

पोस्टल बैलेट से 1.8 लाख मतदाताओं ने किया मतदान

के. रवि कुमार ने बताया कि झारखंड में इस बार 1.8 लाख अधिकारियों-कर्मचारियों और 85 वर्ष से अधिक आयु उम्र के मतदाताओं ने डाक मतपत्र का उपयोग किया। इसके अलावा 44 हजार से अधिक मतदाताओं को ईटीपीबीएस भेजा गया।

सभी मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की सुविधा

इस बार सभी मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की गई। जबकि राज्य की विविधताओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों में 98 बूथ थीम आधारित थे। इसके अलावा 1391 बूथ महिलाओं द्वारा प्रबंधित, 46 बूथ दिव्यांगों और 49 बूथ युवाओं की ओर से प्रबंधित थे।

देर शाम तक सभी सीटों के चुनाव परिणाम की घोषणा

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार तोरपा, लिट्टीपाड़ा, चंदनकियारी, सरायकेला, ईचागढ़, खरसावां, खूंटी और महेशपुर विधानसभा का रिजल्ट तीन बजे दोपहर तक आने की संभावना है। जबकि सिल्ली, गुमला, सिसई, पासंकी, मांडर, लोहरदगा, बिशुनपुर, कोलेबिरा, लोहरदगा, डालटनगंज, विश्रामपुर, हुसैनाबद, राजमहल, बोरियो, बरहेट, पाकुड़, शिकारीपाड़ा, जामा, जामताड़ा, सारठ, बरही, गोमिया, बेरमो, सिंदरी, निरसा, धनबाद और टुंडी का रिजल्ट शाम चार बजे तक आने की उम्मीद है। वहीं देर शाम तक अन्य सभी सीटों का चुनाव परिणाम आने की संभावना है।

जमानत शर्तों में ढील देने का मामला

सिसोदिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी और सीबीआई से मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत की शर्तों में ढील देने की मांग करने वाली याचिका पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट से दी गयी जमानत की शर्तों में बदलाव की मांग की है जिसमें सिसोदिया को हर सोमवार और गुरुवार को सीबीआई और ईडी के दफ्तर जाकर हजारी लगानी होती है। सिसोदिया ने इन शर्तों को हटाने की मांग की है। सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सिसोदिया जांच एजेंसियों के अफसरों के समक्ष 60 बार जा चुके हैं। नौ अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत दी थी। कोर्ट ने सिसोदिया को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने सिसोदिया को निर्देश दिया कि वो हर सोमवार एव गुरुवार को जांच अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे और गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे।

सुकमा में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर, हथियार बरामद

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र अंर्तगत दंतेसपुरम, कोराजुगुड़ा, नागाराम के जंगल में डीआरजी और सीआरपीएफ के साथ आज शुक्रवार की सुबह कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में जवानों ने 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मौके से अब तक 10 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, वहीं 3 ऑटोमैटिक हथियार एके 47, इंसास, एसएलआर एवं अन्य हथियार गोला बारूद भी बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ स्थल से बरामद स्वचालित हथियारों को देखकर यह संभावना जताई जा रही है कि इस मुठभेड़ में नक्सलियों के बड़े नेता भी मारे गए हैं। विदित हो कि 1 जनवरी से 22 नवंबर तक 207 नक्सली मारे गए हैं।

बस्तर आईजी सुंददराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि 10 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गये हैं, मुठभेढ़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। सर्च अभियान जारी है, विस्तृत जानकारी सर्च अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जायेगी।

नागरिकों की सुरक्षा उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को मिली इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में विकास, शांति और नागरिकों की सुरक्षा उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति, विकास और प्रगति का दौर लौट चुका है, हम आगे भी इस दिशा में ठोस कदम उठाते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों को उनके अदम्य साहस और समर्पण के लिए बधाई दी और कहा कि छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का सफाया निश्चित है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के सफाये के लक्ष्य की पूर्ति के लिए राज्य सरकार सुनियोजित तरीके से काम कर रही है।

वायु गुणवत्ता > दिल्ली में ग्रैप-4 के आदेश को सही से लागू न करने पर सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार व पुलिस को लगाई फटकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के ग्रैप-4 के आदेश के बावजूद इसे सही ढंग से लागू नहीं करने पर दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई है। शुक्रवार को जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने केन्द्र सरकार से कहा कि दिल्ली आने वाले सभी 113 एंट्री प्वाइंट पर पुलिस अधिकारियों को तैनात करें। साथ ही दिल्ली लीगल सर्विस अथॉरिटी के वॉलेंटियर्स को निगरानी का जिम्मा दें।

सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि पुलिस रिश्वत लेकर ट्रकों की एंट्री दिल्ली में करा रही है। उन्होंने

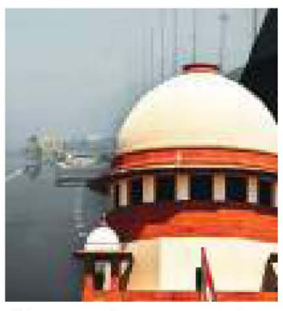

मीडिया खबरों का हवाला दिया। तब कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा कि ट्रकों की एंट्री कैसे रोक रहे हैं। दिल्ली सरकार ने कहा कि सब मालवाहक वाहन रोके जा रहे हैं। कोर्ट ने पूछा कि दिल्ली में एंट्री करने वाले ट्रकों में वास्तव में आवश्यक सामान ले जा रहे हैं या नहीं, इसके लिए क्या व्यवस्था की गई। ग्रैप-4 में कहा गया है कि आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रकों को छोड़कर बाकी सभी ट्रकों को रोक दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि आपके हलफनामे में ट्रकों की एंट्री को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं, इसका भी जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सभी एंट्री प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज एमिकस क्यूरी को उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने विभिन्न एंट्री प्वाइंट पर वकीलों को भेजकर ये पता लगाया जाएगा कि ग्रैप-4 के आदेश को लागू किया जा रहा है कि नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 नवंबर को दिया था आदेश

इससे पहले 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एनसीआर के सभी शहरों में ग्रैप-4 लागू होंगे। कोर्ट ने ग्रैप-4 के प्रावधान सख्ती से लागू करने का आदेश देते हुए कहा था कि फिलहाल हमारी इजाजत के बिना ग्रैप-4 को हटाया नहीं जाएगा। भले ही एक्यूआई 450 से नीचे आ जाए। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 12वीं तक सभी कक्षाओं को भी बंद करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वो भी हाईवे, पुल जैसे निर्माण रोकने पर विचार करे। कोर्ट ने स्थिर सैटेलाइट से पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी करने का आदेश दिया।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में, एक्यूआई 371 हुआ दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शुक्रवार सुबह 10 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 371 था। हालांकि दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में एक्यूआई अब भी 400 अधिक दर्ज किया जा रहा है। राजधानी दिल्ली में ग्रेप 4 की पाबंदियां लागू हैं। आनंद विहार सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में से एक रहा, जहां एक्यूआई 414 दर्ज किया गया। नजफगढ़ में 357, सोनिया विहार में 401, बवाना में 411, द्वारका सेक्टर 8 में 384, मुंडका में 401और वजीरपुर में 414 एक्यूआई दर्ज किया गया। शादीपुर में भी एक्यूआई 402 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे की स्थिति में सुधार हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले सात दिनों तक मध्यम कोहरा और धुंध बने रहने की भविष्यवाणी की है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा ऊपर रहने की उम्मीद है। शुक्रवार सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हिमाचल में संसदीय सचिव पद पर नियुक्ति का मामला

छह विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में संसदीय सचिव के पद पर नियुक्त छह विधायकों को अयोग्य करार देने वाले हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ विधायक के तौर पर अयोग्यता की कार्रवाई नहीं होगी पर अभी वो संसदीय सचिव के तौर पर काम नहीं कर पाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अभी आगे किसी विधायक की संसदीय सचिव के तौर पर नियुक्ति नहीं होगी। हिमाचल प्रदेश सरकार की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे भाजपा विधायकों को नोटिस जारी किया है।

13 नवंबर को हाई कोर्ट ने 2006 के उस कानून को रद्द कर दिया था, जो राज्य सरकार को विधायकों की संसदीय सचिव के तौर पर नियुक्ति का अधिकार देता है। हाई कोर्ट ने न केवल संसदीय सचिव के तौर पर नियुक्ति को रद्द किया था बल्कि इस नियुक्ति को लाभ का पद मानते हुए उनके खिलाफ बतौर विधायक अयोग्यता की कार्रवाई का भी आदेश दिया था।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने को मोदी प्रतिबद्ध

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लंबी शृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों व कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिली है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी शृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेंद्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिंब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है। अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है।

मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया हैं। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बडे. नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है।

मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

उदास लोगों का देश बनना भारत की एक त्रासदी

ललित गर्ग

भारत उदास, निराश एवं थके हुए लोगों का देश बनता जा रहा है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में अव्वल नहीं आ पा रहे हैं। आज अक्सर लोग थके हुए, उदास, निराश नजर आते हैं, बहुत से लोग हैं जो रोजमर्रा के काम करने में ही थक जाते हैं। उनका कुछ करने का ही मन नहीं होता। छोटे-मोटे काम भी थकाऊ और उबाऊ लगते हैं। विडम्बना तो यह है कि लम्बे विश्राम एवं लम्बी छुट्टियों के बाद भी हम खुद को तरोताजा नहीं बना पा रहे हैं। भारत में ऐसे लोगों का प्रतिशत लगभग 48 तक पहुंच गया है, जो चिन्ता का बड़ा सबब है। ऐसे थके एवं निराश लोगों के बल पर हम कैसे विकसित भारत एवं नये भारत का सपना साकार कर पायेंगे? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निमार्ताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार थके हुए लोगों के देश के रूप में पहचाने जा रहे है। खुशहाल देशों की सूची में भी हम सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं।

हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने है, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं-जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोजगारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमजोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया। दुःख जीवन के उतार-चढ़ाव का एक अभिन्न अंग है। जिस तरह इंसान खुशी, निराशा, उदासी, गुस्सा, गर्व आदि भावनाओं को महसूस करता है, उसी तरह हर कोई समय-समय पर दुःख महसूस करता है। दुःख कभी-कभी इंसान को मोटीवेट करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन यह जिजीविषा, खुशहाली, सक्रियता, जोश को भी कम करता है। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है।

भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। एक तरफ हम खुद को किसी भी चीज में आसानी से समायोजित कर लेते हैं, चाहे वह कम पैसा हो, खराब सड़कें हों, बुनियादी ढाँचे की कमी हो या कुछ भी हो। नेशनल केयर ऑफ मेडिकल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग 6.5 प्रतिशत भारतीय गंभीर मानसिक स्थितियों से पीड़ित हैं, चाहे वे ग्रामीण हों या शहरी। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है।

भारत के मानव-स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन-ऊर्जा समाहित है। यही हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करके भी उत्साही एवं प्रसन्न होने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में उदासी एवं निराशा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को?भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। वैसे उदासी, निराशा, थकावट, दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न, उत्साही, सक्रिय समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है।

हमारा शीर्ष नेतृत्व आजादी के बाद से ही निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी है, इसी ने उदासी को बढ़ाया है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी, उत्साही, जोशीला एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल, जोशीला एवं सकारात्मक जीवन जी सकता है? इन गहन अंधेरों से बाहर निकलते हुए विगत एक दशक में सरकारों के कामकाज एवं नीतियों से एक आशावाद झलका है, लेकिन इंसानों का लगातार निराश एवं उदास होते जाना एक बड़ी चुनौती है।

वैसे भी खुशी, जोश एवं उत्साह महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी जोश, तरोताजगी एवं उत्साह का पैमाना क्या हो? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट, जोशीला, तरोताजा और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह निराशा एवं उदासी को कम कर पायेगा। कृत्रिम बौद्धिकता, डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है।

युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएं

प्रियंका सौरभ

पिछले एक दशक में युवा भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं में एक परिवर्तनकारी बदलाव देखा गया है, जो उनकी बढ़ती स्वायत्तता, शिक्षा और कार्यबल में भागीदारी को दशार्ता है। यह विकास भारत के सामाजिक परिदृश्य को महत्त्वपूर्ण रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है। उच्च शिक्षा और कौशल विकास में लड़कियों की अब लड़कों के बराबर शैक्षिक उपलब्धि है, जिसमें 50% से अधिक युवा महिलाएँ कक्षा 12 पूरी कर रही हैं और 26% कॉलेज की डिग्री प्राप्त कर रही हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन पर प्रकाश डालता है, जिसमें महिला सकल नामांकन अनुपात 27.3% तक पहुँच गया है। युवा महिलाएँ विभिन्न कैरियर पथों और डिजिटल कौशल प्लेटफॉर्म तक पहुँच से प्रभावित होकर पेशेवर महत्त्वाकांक्षाओं को तेजी से प्राथमिकता दे रही हैं। स्किल इंडिया मिशन और स्टेम फॉर गर्ल्स इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने तकनीकी क्षेत्रों में युवा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया है। विवाह की औसत आयु 2005 में 18.3 वर्ष से बढ़कर 2021 में 22 वर्ष हो गई है, जिसमें अधिक युवा महिलाएँ अनुकूलता के आधार पर साथी चुनती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 52% महिलाओं ने साथी चयन में अपनी बात रखी, जो 2012 में 42% थी। कई युवा महिलाएँ आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रही हैं, विशेष रूप से उद्यमिता के माध्यम से, क्योंकि सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्थन दे रही है। उदाहरण के लिए: नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता मंच ने 10, 000 से अधिक महिला उद्यमियों के नेटवर्क को बढ़ावा दिया है। युवा महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय शासन में बढ़ती भागीदारी के साथ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं सहायता समूह सदस्यता 2012 में 10% से बढ़कर 2022 में 18% हो गई। ये आकांक्षाएँ पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और मानदंडों को चुनौती दे रही हैं। जैसे-जैसे अधिक महिलाएँ करियर बना रही हैं, घरों में पारंपरिक लैंगिक अपेक्षाएँ बदल रही हैं। मनरेगा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन प्रदान करता है, जो ग्रामीण घरेलू गतिशीलता को प्रभावित करता है। अधिक शिक्षा और आय के साथ, युवा महिलाओं का अब परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में

अधिक प्रभाव है। स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाया है। बाद में विवाह करने और साथी चुनने में सक्रिय भागीदारी की ओर बदलाव ने अरेंज मैरिज की पारंपरिक संरचना को चुनौती दी है। बाल विवाह में कमी और बाद में विवाह करने को प्राथमिकता देने की रिपोर्ट करता है। बढ़ती स्वतंत्रता ने सामाजिक प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए शिक्षा या काम के लिए महिलाओं की अकेले यात्रा को सामान्य बना दिया है। 2012 में 42% की तुलना में अब 54% महिलाएँ बस या ट्रेन से अकेले यात्रा करने में सहज महसूस करती हैं। युवा महिलाएँ पेशेवर सेटिंग्स में लैंगिक समानता के बारे में तेजी से मुखर हो रही हैं, कानूनी और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दे रही हैं। पोष अधिनियम (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम), 2013 ने महिलाओं को कार्यस्थल के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने के लिए सशक्त बनाया है। स्वयं सहायता समूह और ग्राम सभाओं में युवा महिलाएँ शासन में महिलाओं की भूमिका पर पारंपरिक विचारों को चुनौती दे रही हैं। केरल कुदुम्बश्री मिशन महिला-नेतृत्व वाले शासन को बढ़ावा देता है, जिसने राज्यों में इसी तरह के मॉडल को प्रेरित किया है। भारतीय महिलाएँ ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, हमारे लिए महिलाएँ न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं। अनादि काल से ही महिलाएँ मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बडे. उदाहरण स्थापित किए हैं। 2030 तक पृथ्वी को मानवता के लिए स्वर्ग समान जगह बनाने के लिए भारत सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ चला है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण करना सतत विकास लक्ष्यों में एक प्रमुखता है। वर्तमान में प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। महिलाओं में जन्मजात नेतृत्व गुण समाज के लिए संपत्ति है। प्रसिद्ध अमेरिकी धार्मिक नेता ब्रिघम यंग ने ठीक ही कहा है कि जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाएँ न केवल खुद को सशक्त बना रही हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती में भी योगदान दे रही हैं। सरकार के निरन्तर लगातार आर्थिक सहयोग से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में उनकी भागीदारी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूहों का अभियान और तेज हुआ है। आज देश भर में 70 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। महिलाओं के पराक्रम को समझने की जरूरत है, जो हमें महिमा की अधिक ऊंचाइयों तक पहुँचाएगी। आइए हम उन्हें आगे बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करें। महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण के लिए 'अमृत काल' इन्हें समर्पित हो। युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएँ भारत के सामाजिक ताने-बाने को उत्तरोत्तर रूप से परिभाषित कर रही हैं, एक ऐसे समाज को बढ़ावा दे रही हैं जहाँ लैंगिक समानता और महिलाओं की एजेंसी आदर्श बन गई है। सहायक नीतियों को सुनिश्चित करने से इस बदलाव में तेजी आ सकती है, जिससे समावेशी और सशक्त भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

रैगिंग के नाम पर कब तक छात्रों की जिंदगी से होगी खिलवाड़?

मनोज कुमार अग्रवाल

आखिर यह रैगिंग कब तक छात्रों के जीवन पर भारी पड़ेगी? गुजरात के एक एमबीबीएस छात्र की रैगिंग के दौरान कई गयी अमानवीयता से मौत ने हर अभिभावक को भीतर तक झकझोर दिया है कि आखिर उनके बच्चों के साथ कालिज कैम्पस में क्या-क्या हो रहा है? यह बेहद गंभीर दुःखद, निंदनीय और शर्मनाक बात है कि देश में तमाम कड़े कानूनों और सरकारों की कठोर नीतियों के बावजूद शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। देश के किसी न किसी कॉलेज और विश्वविद्यालयों से रैगिंग की घटनाएं सामने आती हीं रहती हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लागू किया है, मगर देश में रैगिंग के बढ़ते मामलों से यह कानून मजाक बनता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों के भीतर देश में रैगिंग की कई घटनाएं सामने आयी हैं। ताजा घटनाक्रम में गुजरात और तमिलनाडु में रैगिंग के मामले सामने आए हैं। दुःखद बात है कि गुजरात के पाटन में रैगिंग के कारण एमबीबीएस के छात्र की मौत हो गई है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि 18 साल के जूनियर छात्र को लगातार तीन घंटे तक प्रताड़ित किया गया था। होस्टल में सीनियर्स द्वारा रैगिंग के दौरान कथित तौर पर उसे तीन घंटे तक खड़ा रखा गया। धारपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अनिल मेथानिया को तीन घंटे तक जबरन नाचने और खड़े रहने को मजबूर किया गया इस कारण छात्र बेहद घबरा कर बेहोश गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। अनिल की मौत के बाद उसके परिवार ने वरिष्ठ छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगाया और दावा किया कि इसी वजह से उसकी मौत हुई। धारपुर मेडिकल कॉलेज के डीन हार्दिक शाह ने पुष्टि की कि अनिल बेहोश हो गया था। उन्होंने जानकारी दी है कि पूछताछ के दौरान छात्रों ने खुलासा किया कि घटना के समय वास्तव में परिचयात्मक सत्र चल रहा था। कॉलेज ने कार्रवाई करते हुए 15 छात्रों को सस्पेंड कर दिया है। आपको बता दें कि इस से पहले भी रैगिंग के नाम पर अमानवीयता दरिंदगी व दुराचार की वारदातों को अंजाम देने का सिलसिला जारी है। 18 फरवरी 2024 को केरल के एक कालिज के छात्रावास के टायलेट के छत से 20 साल के छात्र का शव लटका मिला। छात्र वीवीएसपी पशुपालन द्वितीय वर्ष का छात्र था जांच के बाद पता चला कि उसके साथ दो दिन पहले रैगिंग की गई और यौन शोषण किया गया था। 6 अप्रेल 2024 को ही दिल्ली के एक प्राइवेट स्कूल के नाबालिग छात्र के प्राइवेट पार्ट में सीनियर छात्रों ने डंडा घुसा दिया छात्र को आइसीयू में भर्ती कराया गया। 14 अक्टूबर 22 को आइ आइटी खड़गपुर में छात्र फैजान का आंशिक रूप से सड़ चुका शव मिला था आरोप है कि उसके साथ सीनियर छात्रों ने लंबे समय तक रैगिंग के नाम पर अमानवीयता दरिंदगी की। इस सिलसिले में मुकदमा दर्ज किया गया।

9 अगस्त 2023 को एक 17 साल के नाबालिग छात्र की छात्रावास की बालकनी से गिरने से मौत हो गई थी जांच में रैगिंग के नाम पर यौन शोषण और अमानवीयता का मामला सामने आया और एक दर्जन से अधिक छात्रों पर पोस्को के तहत मामला दर्ज किया गया। उधर, तेलंगाना में एक टीचर ने मामूली सी स्टूडेंट के साथ मारपीट की और नाई की दुकान पर ले जाकर उसके बाल मुंडवा दिए। इस घटना की भी जांच के आदेश दिए गए हैं। इस संबंध में पुलिस में भी शिकायत दी गई है। पिछले सप्ताह ही खुलासा हुआ है कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के एक नर्सिंग कॉलेज की छात्रा ने अपनी जान दे दी थी। यह घटना 27 जुलाई की थी अब इस पर कई सच सामने आये हैं। नोएडा के एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रावास में कनिष्ठ विद्यार्थियों की पिटाई की गई थी। विचित्र है कि यह मामला एक महीने तब तक दबा रहा, जब तक कि एक पीड़ित छात्र ने थाने में शिकायत नहीं दर्ज कराई।यह तो सिर्फ चंद बानगी भर है देश के सभी राज्यों के सभी उच्च शिक्षण संस्थान रैगिंग की बीमारी से ग्रस्त हैं और प्रतिभावान छात्र छात्राओं के जीवन से खिलवाड़ करने का सिलसिला जारी है।

ये वारदात बताती हैं कि उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के विरुद्ध सख्त नियमों और अदालतों के साफ दिशा- निदेर्शों के बावजूद नए विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने या उनके खिलाफ हिंसा की खबरें अक्सर आती रहती हैं। कई बार ऐसा लगता है कि सख्त नियम-कायदे के बावजूद रैगिंग करने वाले युवाओं के भीतर कानून का भी न कोई डर है, न उन्हें अपने भविष्य की कोई चिंता है। निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों पर रौब जमाना या किसी को प्रताड़ित करना यह बताता है कि कुछ युवाओं में दमन की कुंठित मानसिकता काम करती रहती है। यही कारण है कि रैगिंग रोकने के लिए अलग-अलग राज्य सरकारों ने रैगिंग को लेकर अपने नियम-कानून बनाए हैं। इनमें कारावास से लेकर अर्थ दंड तक के सख्त प्रावधान किए गए हैं। अगर देखा जाए तो रैगिंग की समस्या उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील, सामाजिक समस्या है, जिससे उच्च शिक्षा जगत को पूर्ण रूप से मुक्ति नहीं मिल पाई है। इस समय स देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में क्लास शुरू होते ही सुनाई देने लगता है। दुनियाभर में हर साल लाखों स्टूडेंट्स को इसका सामना करना पड़ता है। रैगिंग को दुनिया में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इसको हेजिंग, फेगिंग, बुलिंग, प्लेजिंग और हॉर्स प्लेइंग के नामों से भी जाना जाता है। रैगिंग कई कारणों से हो सकती है, जैसे आपकी त्वचा, नस्ल, धर्म, जाति, प्रजातीयता, जेंडर, यौनिक रुझान, रूप-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीय मूल, आपकी बोली, जन्म स्थान, गृह स्थान या आर्थिक पृष्ठभूमि के कारण इसमें शामिल कारण हैं। रैगिंग कई अलग-अलग रूप ले सकती है। । उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी अन्य छात्र को उसके काम करने के लिए धौंस दिखाता है या किसी छात्र को कॉलेज समारोह जैसी परिसर की गतिविधियों से बाहर रखा जाता है, तो उसे रैगिंग माना जाता है। मानसिक बोट, शारीरिक दुर्व्यवहार, भेदभाव, शैक्षणिक गतिविधि में व्यवधान आदि सहित छात्रों के खिलाफ रैगिंग के विभिन्न रूपों को कानून दंडित करता है। 90 के दशक में भारत में रैगिंग ने विकराल रूप ले लिया था। इसके बाद 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने पूरे भारत में रैगिंग पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही यूजीसी ने भी रैगिंग के खिलाफ सख्त नियम बनाए हैं। रैगिंग पर कुछ शिक्षण संस्थानों के अपने नियम हैं। उदाहरण के लिए, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के पास रैगिंग पर दिशा-निदेर्शों की अपनी एक नियमावली है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में रैगिंग को प्रतिबंधित करने व रोकने के लिहाज से विभिन्न राज्यों ने कानून पारित किए हैं, जो केवल उन संबंधित राज्यों में ही लागू होते हैं। एक सर्वे के अनुसार तो देश के अधिकांश कॉलेजों में करीब 40 फीसदी छात्रों को किसी न किसी रूप में रैगिंग या सीनियर छात्रों द्वारा धमकाने का सामना करना पड़ता है। अभिभावक अपने बच्चों को उनका भविष्य संवारने के लिए शिक्षा संस्थानों में भेजते हैं। मगर यह शिक्षा संस्थान रैगिंग के कारण उनके बच्चे के लिए मौत के कारण बनते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई मिड-डे-मील समिति की समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 नवंबर। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में मिड-डे-मील समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।बैठक में मिड-डे-मील योजना के तहत परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर चर्चा की गई, साथ ही मदरसों में पोषाहार वितरण सुनिश्चित करने, राजकीय विद्यालय में मिड-डे-मील की जांच तथा औचक निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही जिला कलक्टर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को पोषाहार समय पर उपलब्ध कराने, स्टॉक एंट्री करने, मदरसों की स्थिति में सुधार करने के साथ-साथ विद्यालयों में 'किचन गार्डन' विकसित करने, किचन शेड व सिलेंडर की व्यवस्था दुरूस्त करने तथा मौसमी फल उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अभिनेता एवं डायरेक्टर ऐजाज़ खान ने किया एक्सीलेंस नॉलेज सिटी फॉर गर्ल्स का दौरा

- उचित प्रबंधन व्यवस्था एवं अनुशासन, आधुनिक शिक्षा प्रणाली से प्रभावित होकर फाउंडर वाहीद चौहान की करी सराहना

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) एक्टर,डायरेक्टर ऐजाज़ ख़ान सीकर में एक्सीलेंस नॉलेज सिटी फॉर गर्ल्स देखने आये । बेटियों से मिलकर बहुत खुश हुए उनके साथ हँसी मज़ाक़ की और उनकी हौसला अफजाई की और छात्राओं से मुखातिब होकर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि और आगे पढ़ो ,आप लड़कों से कम नहीं हो और आने वाला वक़्त आप का है । पूछा जाने पर ज़्यादातर बेटियों ने कहा कि वो आगे जाकर आई.ए.एस बनना चाहती हैं इसके साथ ही अभिनेता एजाज़ खान ने एक्सीलेंस नॉलेज सिटी फॉर गर्ल्स की उचित प्रबंधन व्यवस्था एवं अनुशासन, आधुनिक शिक्षा प्रणाली से प्रभावित होकर फाउंडर वाहीद चौहान की करी सराहना उन्होंने वाहिद चौहान साहब की तारीफ़ करते हुए कहा कि देखो मोदी और राहुल गांधी,इस को कहते है बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ ।

जयपुर हेरिटेज आयुक्त अरुण हसीजा ने ली महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक

- कचरा प्रोसेसिंग प्लांट के सुचारू संचालन के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी प्रोसेसिंग प्लांट प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नगर निगम जयपुर हैरिटेज की रैंकिंग को बेहतर बनाना था।बैठक के दौरान आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी प्लांट प्रभारियों को प्लांट्स में मौजूद कमियों को शीघ्रता से दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण में उच्च रैंकिंग प्राप्त करने के लिए सभी प्लांट्स का सुचारू संचालन और उनकी गुणवत्ता में सुधार अत्यंत आवश्यक है।आयुक्त अरुण हसीजा ने प्रत्येक प्लांट प्रभारी को उनकी जिम्मेदारियां समझाई और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग पर भी विशेष जोर दिया।बैठक नगर निगम जयपुर हैरिटेज की स्वच्छता और पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने में एक अहम भूमिका निभाएगी। इस दौरान उपायुक्त स्वच्छता सर्वेक्षण सरिता मल्होत्रा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवन कुमार वर्मा सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

जोन-5 में अवैध बिल्डिंग को किया सील

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के मार्गदर्शन में जेडीए ने करी प्रभावी कार्रवाई

जोन 14 में बाईस बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-05 में महेश नगर, में भूखण्ड संख्या सी-16 में जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनी अवैध बिल्डिग की नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गयी। जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 22 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। साथ ही जोन-10 में नई माता मंदिर व्यास की मोरी दिल्ली रोड़ आमेर में आम रास्ते कोकब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-9 में ग्राम सिरोली एवं गोनेर में आम रास्तें को साफ करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-5 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित महेष नगर, के भूखण्ड संख्या सी-16 में जेडीए की बिना अनुमति व स्वीकृति के व्यावसायिक प्रयोजनार्थ बनी बेसमेन्ट $ग्राउण्ड फ्लोर$05 मंजिला में अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर दिनांक 22.11.2024 को उक्त अवैध बिल्डिग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों, खिड़कियों इत्यादि से चुनवाकर गेटों पर ताले सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।उन्होंने बताया कि जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित वाटिका से लोखना रोड़, ग्राम वाटिका, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम वाटिका से निमडी रोड़ पर निमडी की ढ़ाणी, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 12 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, टीनषेडनुमा कोठरी, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।इसी प्रकार जोन-10 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित नई माता मंदिर व्यास की मोरी दिल्ली रोड़, आमेर में जेडीए स्वामित्व के आम रास्तें पर कब्जा-अतिक्रमण कर मिट्टी व पत्थरो की दीवार बनाकर, तारबंदी कर, झाडियां लगाकर, रास्ता अवरूद्ध कर रखा था जिससे स्थानीय लोगों आम जन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सिरोली एवं गोनेर में करीब 01 कि.मी. तक आम रास्तें में पडे कूडा करकट एवं मलबे आदि को स्थानीय प्रशासन एवं जेडीए के जाप्ता की सहयोग से जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर स्थानीय आमजन को राहत प्रदान की गई। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-5, 14, 10, 09 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 65 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरियेमेलcce.jda@rajasthan.gov.in&enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/ कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

यह अवैध बिल्डिग जविप्रा से पुख्ता सीलशुदा है। सील को क्षतिग्रस्त करना कानूनी अपराध है
आज्ञा से दि. 22.11.24
J.D.A

उदयपुर जिले में थाना टीडी पुलिस की कार्रवाई

10 टन 400 किलो ग्राम अवैध खेर की लकड़ी से भरा एक ट्रक जब्त, 02 अभियुक्त गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर/उदयपुर (खलील कुरैशी) 22 नवंबर। उदयपुर जिले की थाना टीडी पुलिस ने नाकाबंदी में गुजरात से उदयपुर आ रहे एक आयशर ट्रक से 10 टन 400 किलोग्राम अवैध खेर की गीली लकड़ी जब्त कर दो आरोपियों तिजारा निवासी वारिस और रामगढ़ जिला अलवर निवासी राहुल खान को गिरफ्तार किया है।एसपी योगेश गोयल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाडा व वृताधिकारी वृत गिर्वा सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में एसएचओ फैलीराम मय टीम द्वारा नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक लाल रंग का आईसर ट्रक गुजरात से उदयपुर की तरफ आ रहा है, जिसमे अवैध खेर की लकड़ी हो सकती है।सूचना पर संदिग्ध लग रहे वाहनों की सघनता से तलाशी ली गई। इसी दौरान मुखबिर के बताए अनुसार एक लाल रंग का ट्रक आता दिखा, जिसे पुलिस ने रुकवाने का ईशारा किया तो चालक ट्रक को भगा ले गया। नाकाबंदी कर रही पुलिस की टीम ने पीछा कर बड़ी मुश्किल से ट्रक को रुकवाया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम-पता वारिश निवासी तिजारा व पास बैठे व्यक्ति ने राहुल खान निवासी रामगढ़ जिला अलवर बताया। ट्रक के ऊपर से तिरपाल को हटाकर देखा तो अंदर खेर की गीली लकडी भरी हुई थी। जिसके कोई वैध कागजात आरोपियों के पास नहीं मिले। इस पर दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल करतार सिंह व कांस्टेबल चंद्र कुमार की विशेष भूमिका रही। टीम में एएसआई अमर सिंह, कांस्टेबल गजेंद्र, पुष्पराज और चालक नेमीचंद शामिल थे।

सीबीआई ने कसा चित्तौड़गढ़ नारकोटिक्स निरीक्षक पर कसा कानूनी शिकंजा

बिचौलिए के माध्यम से ली तीन लाख की रिश्वत, ट्रांजिक्ट रिमांड पर सौंपा

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़,!(बाबू अग्नानी) नारकोटिक्स चित्तौड़गढ़ के निरीक्षक को सीबीआई जयपुर की टीम ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत की राशि एक बिचौलिए के माध्यम से ली गई थी। सीबीआई की टीम बुधवार रात से ही चित्तौड़गढ़ में सक्रिय रह कर जाल बिछा रही थी। सीबीआई की टीम ने पकड़े गए निरीक्षक और बिचौलिए को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चित्तौड़गढ़ के समक्ष पेश किया है। न्यायालय ने आरोपितों को ट्रांजिक्ट रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए हैं।जानकार सूत्रों ने बताया कि एक प्रार्थी ने सीबीआई जयपुर को एक शिकायत दी थी। इसमें नारकोटिक्स चित्तौड़गढ़ के निरीक्षक आदर्श योगी पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। शिकायत के सत्यापन के बाद टीम ने बुधवार रात को ही चित्तौड़गढ़ में जाल बिछाया था। निरीक्षक ने बिचौलिए के माध्यम से रिश्वत ली। इसके तीन लाख रुपए की रिश्वत लेने की बात सामने आई। इसके बाद गुरुवार दोपहर में सीबीआई की टीम ने आदर्श योगी को चित्तौड़गढ़ के नारकोटिक्स कार्यालय खंड तृतीय से हिरासत में ले लिया था। इससे टीम ने पूछताछ की। बाद में शाम को इसके आवास की तलाशी ली, जहां ताला तोड़ना पड़ा था। टीम चित्तौड़गढ़ शहर की एक होटल में डेरा डाले हुई है। गिरफ्तार किए नारकोटिक्स निरीक्षक और बिचौलिए को चित्तौड़गढ़ में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के कोर्ट में पेश किया। सीबीआई की टीम ने ट्रांजिक्ट रिमांड मांगा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संतोष कुमार बैरवा ने आरोपियों को ट्रांजिक्ट रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए हैं। इसके बाद टीम आरोपितों को न्यायालय से लेकर रवाना हो गई।

सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर की कार्वाई

विदेशी कोयले में मिलावट कर चोरी में इनामी सहित दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गुजरात के रहने वाले है दोनों आरोपी, एक पर घोषित है 11000 का इनाम

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 22 नवंबर। सीआईडी क्राइम ब्रांच रैंज सेल जोधपुर की टीम ने विदेशी कोयले में मिलावट कर चोरी करने के मामले में सांचौर थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित 11000 के इनामी समा याकूब इब्राहिम पुत्र याकूब इब्राहिम (36) सहित मिठू मथडा इब्राहिम पुत्र इब्राहिम भाई मथडा निवासी गांधीधाम जिला कच्छ गुजरात को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामले में दोनों आरोपी पिछले 19 महीनों से फरार चल रहे थे अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर सुभाष चंद्र के नेतृत्व में गठित की गई हेड कांस्टेबल सुमेर सिंह, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल चालक प्रेम कुमार की टीम द्वारा गुजरात के गांधीधाम पहुंच इनामी समा याकूब इब्राहिम के साथ मामले में वांछित मिठू मथडा इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया है।एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि रशिया, इंडोनेशिया व यूएसए से महंगा कोयला गुजरात बंदरगाह पहुंचता है। उसके बाद ट्रकों में भरकर अलग-अलग जगह पर भेजा जाता है। इस दौरान बदमाश ट्रक चालकों से मिलीभगत कर कोयले को अपने स्थान पर उतार कर नकली कोयले की मिलावट कर वापस गाड़ी को आगे भेज देते है। वहीं असली कोयले को फर्जी बिलो के जरिए दूसरे लोगों को बेचा जाता है। एमएन ने बताया कि इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने पिछले साल अप्रैल महीने में उनके निर्देशन में सीआईडी सीबी की विभिन्न टीमों द्वारा स्थानीय पुलिस के साथ एक साथ 13 जिलों में कार्रवाई की गई। सांचौर थानांतर्गत माखूपूरा में रीको क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 93 टन कोयला बरामद किया गया।

मौके से पकड़े गये रविभाई मकवाना व रायशी काटुंआ निवासी जिला कच्छ गुजरात ने पुलिस पूछताछ में गुजरात के काण्डला बंदरगाह से कोयला भर कर लेकर आने वाले ट्रक चालकों से सम्पर्क कर इस बाड़े में सील तोड़ एक ट्रक में से करीब दो-तीन टन कोयला निकालकर उसमें उतने ही वजन का घटिया कोयला मिलाकर वापस ट्रक को सील कर भेजना बताया। आरोपी बाड़े में एकत्रित किये गये महंगे कोयले को अन्य ट्रक के अन्दर लोड करके ट्रक के सील लगाकर फैक्ट्रियों में भेजते थे। कोयला मंगवाने का काम जगूभाई ठक्कर, सलीम भाई उर्फ याकूब व मिठू काका निवासी गांधीधाम द्वारा किया जाता, एकत्रित कोयला महेन्द्र भाई भानुसाती व प्रवीण भाई गुप्ता निवासी गांधीधाम को इनके द्वारा बेचा जाता। एमएन ने बताया कि विदेशों से आयातित कोयले में मिलावट एवं चोरी के मामले में गत वर्ष चलाए गए अभियान में पाली के थाना गुड़ाएंदला, बाड़मेर के थाना आरजीटी व सिणधरी, जोधपुर ग्रामीण के थाना लोहावट व फलोदी, जालौर जिले के थाना सांचौर, बीकानेर के थाना बीछवाल थानों में प्रकरण दर्ज हुए थे। जिसमे फरार चल रहे 15 आरोपियों पर पुलिस मुख्यालय से 11-11 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में जयपुर पूर्व पुलिस ने दिया बडी कार्यवाही

पंचवटी सर्किल, जवाहरनगर पर मोबाईल की दुकान में हुई नकबजनी की वारदात का किया फर्दाफाश।

04 शातिर नकबजन व चोरी का माल खरीदने वाले सहित 05 गिरफ्तार।

- **वारदात में प्रयुक्त वाहन टाटा नैक्सन भी की बरामद।**

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 22 नवम्बर 2024, शुक्रवार। पुलिस आयुक्त जयपुर बीजू जॉर्ज जोसेफ आईपीएस ने बताया कि ₹ दिनांक 06.11.2024 की अलसुबह पंचवटी सर्किल ईलाका थाना जवाहरनगर जयपुर पूर्व के क्षेत्र में स्थित हॉटस्पॉट मोबाईल की दुकान के मालिक रमीन्द्र सिंह मखीजा ने स्वयं की दुकान में तीन अज्ञात नकाबपोशों चोरों द्वारा नकबजनी की वारदात की करीब 120 आईफोन व करीब 150 अन्य पुराने फोन, आईपेड, मैकबुक आदि करीब 1 करोड 80 लाख रूपये का सामान चोरी किये जाने के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत की।₹ आदि रिपोर्ट पर मुकदमा नम्बर 337/2024 धारा 305 (ए), 331 (4) बीएनएस में दर्ज किया जाकर अनुसंधान व तलाश माल मुल्जिमान हेतु कुंवर राष्ट्रदीप आईपीएस अति० पुलिस आयुक्त (प्रथम) जयपुर के मार्गदर्शन में, तेजस्वनी गौतम आईपीएस पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व के निर्देशन में आशाराम अति० पुलिस उपायुक्त, जयपुर, पूर्व व पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी, अति० पुलिस उपायुक्त, चोरी व नकबजनी, आयुक्तालय, जयपुर के नेतृत्व में, सुश्री लक्ष्मी सुथार, सहायक पुलि आयुक्त, आदर्शनगर, जयपुर पूर्व के निकटतम सुपरविजन में टीम गठित कर प्रकरण की वारदात का खुलासा करने में सफलता प्राप्त की।

करीब 1.50 करोड रूपये के 74 नये आईफोन, 10 आईपेड, 13 नारजो रियल मी फोन, 01 मैकबुक व अन्य 45 पुराने आईफोन व 3 लाख 85 हजार रूपये किये बरामद

तरीका-ए-वारदात:-

मुल्जिमान द्वारा घटनास्थल से 50 किलोमीटर दूर मोटरसाईकिल चोरी कर चोरी की मोटरसाईकिल से वारदात कोअंजामदियामोटरसाईकिल चोरी के घटनास्थल तक पहुंचने के लिये रेन्टल कार से टाटा नेक्सॉन कार इन्दौर से किराये पर ली।मुल्जिमानों ने वारदात करते समय घटनास्थल से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर स्वयं के मोबाईल फोन व प्रयोग में ली गई कार को दूर ही छोड दिया। वारदात करने के लिये मास्टरमाइंड रामभरोस पटेल व सफान खान द्वारा शातिर नकबजन राजेश उर्फ खन्ना उर्फ मामा कंजर, जतिन कंजर व अमन को अपनी गैंग में शामिल किया। वारदात से पूर्व ही योजनाबद्ध तरीके से माल बेचने के लिये मुम्बई में सम्पर्क कर खरीददार से माल बेचने के लिये सहमति प्राप्त की।खरीददार समीर अहमद शेख लग्जरी फ्लेट में रहने व बेशकीमती गाडियां रखने का शौकीन है। माह में आधा समय विदेश में गुजारता है। अपनी पहचान छुपाने के लिये कोई भी सोशीयल साईट नहीं चलाता है। अपराध करने के लिये वर्चुअल नम्बर प्रयोग में लेता है तथा इंटरनेट के माध्यम से ही बात करता है। सन 2021 में चोरी के मोबाईल खरीदने के जुर्म में 05 मामलो में जेल जा चुका है। चोरी के माल को भारत से बाहर बांग्लोदश में बेच देता है।

आरोपियों के नाम एवं पते:-

(01). सफान खान पुत्र अनवर खान जाति मुसलमान उम्र 30 साल निवासी- मकान नम्बर 408, वार्ड नम्बर 17, गांव जुलवानिया, जिला बडवानी, मध्यप्रदेश हाल किरायेदार खाती वाला टैंक, सैफीनगर, ए बी रोड, पुलिस थाना लंवर कुंआ / जूनी, इन्दौर, मध्यप्रदेश। हुआ/जूना (02). रामभरोसे पटेल पुत्र महेश पटेल जाति खाती उम्र 27 साल निवासी- ग्राम-खरेली पुलिस थाना टोंक खुर्द जिला देवास, मध्यप्रदेश हाल किरायेदार मकान नम्बर 73, वैभव लक्ष्मीनगर, महालक्ष्मी नगर, पुलिस थाना खदराना, जिला इन्दौर शहर।(03). जतिन हाडा पुत्र ओमप्रकाश हाडा जाति कंजर उम्र 18 साल निवासी- ग्राम टोंक कला, पुलिस थाना टोंक खुर्द जिला देवास, मध्यप्रदेश।(04). राजेश उर्फ खन्ना उर्फ मामा पुत्र स्व० अजय सिंह जाति कंजर उम्र 45 साल निवासी- कंजर डेरा, ग्राम-टोंक कला पुलिस थाना टोंक खुर्द जिला देवास, मध्यप्रदेश।(05). समीर अहमद शेख पुत्र मोहम्मद रफीक शेख जाति मुसलमान उम्र 38 साल निवासी- प्लॉट नम्बर 39/सी/10, शिवाजीनगर, रोड नं० 8, गवण्डी, मुम्बई हाल फ्लेट नं0 401, किस किस्टलिया बिल्डिग, सैक्टर 34, खारघर,मुम्बई।

बरामदगी

प्रकरण में अभियुक्त समीर अहमद शेख के कब्जे से 74 नये आईफोन, 11 नये आईपेड, 01 मैकबुक, 13 नये नारजो रियल मी फोन बरामद किये गये। अभियुक्त सफान खान के कब्जे से 15 इस्तेमाली आईफोन व 01 लाख रूपये नगद, अभियुक्त रामभरोसे पटेल के कब्जे 7 पुराने इस्तेमाली आईफोन व 01 लाख रूपये नगद, अभियुक्त जतिन हाडा के कब्जे से 07 पुराने इस्तेमाली आईफोन व अभियुक्त राजेश उर्फ खन्ना उर्फ मामा के कब्जे से 16 इस्तेमाली फोन व 1 लाख 85 रूपये नगद बरामद किये गये है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त वाहन MP 13 ZL 8617 बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

वारदात का खुलासा

गठित टीम द्वारा टीम के सदस्यों के बीच बेहतरीन पारस्परिक तालमेल रखते हुये करीब दस हजार किलोमीटर की दूरी तय करते हुये 300 के करीब सीसीटीवी फुटेज चैक किये। देवास, इन्दौर, उज्जैन, मुम्बई में आसूचना संकलन हेतु करीब 30 मुखबिर तैयार किये। एक हजार से अधिक कॉल डिटेल्स का गहन विश्लेषण किया जाकर विभिन्न साईबर टूल्स एवं ऐपस् का असाधारण उपयोग कर मुल्जिमानों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गठित टीम का विवरण:-

(01). शेषनारायण पुत्र, थानाधिकारी, पुलिस थाना जवाहरनगर, जयपुर पूर्व।(02). मुनीन्द्र सिंह पु०नि०, थानाधिकारी, पुलिस थाना प्रतापनगर, जयपुर, पूर्व।(03). धर्मसिंह पु०नि०, थानाधिकारी, पुलिस थाना आदर्शनगर, जयपुर, पूर्व।(04). सरदार सिंह पु०नि०, प्रभारी, जिला स्पेशल टीम, जयपुर पूर्व। (05). राजेश, पुलिस निरीक्षक, सीएसटी, आयुक्तालय जयपुर(06). छीतरमल, स०उ०नि०, डीएसटी, जयपुर, पूर्व।(07). हरदयाल सिंह, एच सी 2167, सीएसटी, डीएसटी, जयपुरपूर्व।पुलिस थाना जवाहरनगर, सहित टीम जयपुर पुलिस कमिश्नरेट

संक्षिप्त समाचार

जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई गलता तीर्थ की प्रबंध व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक

- **मंदिर ठिकाना गलता जी के सुचारू प्रबंधन व संचालन के दिए निर्देश**

RISING RAJASTHAN
INVESTOR MEET
Shot on OnePlus

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 नवंबर। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को गलता तीर्थ की प्रबन्ध व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक का आयोजन हुआ। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकारियों को मंदिर ठिकाना गलता जी के सुचारू प्रबंधन व संचालन के निर्देश दिए गए। बैठक में पुराना घाट से गलता जी तक पहुंचने हेतु संपर्क सड़क की मरम्मत करना ,गलताजी परिसर के मंदिरों में मरम्मत/जीर्णोद्धार करने,गलताजी में उज्जैन अयोध्या आदि तीर्थ की तर्ज पर कॉरिडोर का निर्माण करने, संतो के पैनोरमा निर्माण करने, दर्शनार्थियों की सुविधाओं का विकास करने आदि विषयों पर चर्चा की गई ।इसके साथ ही अधिकारियों को गलताजी परिसर घाट के बालाजी व आसपास के क्षेत्र व कुण्डों की नियमित साफ सफाई करवाने ,रोड लाइट का प्रबंधन करने ,गलताजी परिसर व गलता जी के अधीनस्थ सभी मंदिरों के बिजली व कनेक्शन गलता मंदिर के नाम करने की कार्यवाही करने, दर्शनार्थियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने, सड़क के दोनों और वृक्षारोपण का कार्य करने तथा पार्किंग की व्यवस्था दुरुस्त करने दान पेटियों के रखरखाव व क्यूआर कोड लगवाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, एसडीएम जयपुर राजेश जाखड़ सहित जेडीए ,नगर निगम, विद्युत विभाग ,वन विभाग देवस्थान विभाग , पीडब्ल्यूडी, जलदाय विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की हुई 203वीं बैठक

भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण के संबंध में दिए महत्वपूर्ण एवं आवश्यक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान

JAIPUR DEVELOPMENT AUTHORITY

जयपुर! (खलील कुरैशी) 22 नवम्बर। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 203वीं बैठक में विभिन्न प्रकरणों का अनुमोदन किया गया। बैठक नवीन कार्यालय सहायक अभियंता, झोटवाड़ा हेतु जेडीए द्वारा अनुमोदित योजना रेस्टोरेन्ट/कैफेटेरिया के पब्लिक यूटीलिटी भूखण्ड (पी यू-2) क्षेत्रफल 2078.76 व.मी. भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव । अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। विजेन्द्र सिंह ट्रस्ट को बॉक्सिग एकेडमी हेतु जगतपुरा शूटिंग रेंज के पास निजी खातेदारी आवासीय योजना शिव नगर विस्तार की सुविधा क्षेत्र में उपलब्धता के अनुसार 2628.72 वर्गगज भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं की कियान्विति हेतु पुलिस आयुक्तालय को पुलिस थाना जामडोली के प्रशासनिक भवन एवं आवासीय भवन निर्माण हेतु 7000 व.मी. भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जयसिंहपुरा खोर जयपुर के भवन विस्तार के लिये 6000 व.मी. भूमि का आवंटन कराकर भवन निर्माण व विस्तार कर मॉडल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत किये जाने हेतु भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं की कियान्चित्ति हेतु बाल अधिकारिता विभाग को बालिका आवासीय विद्यालय हेतु जामडोली में 4 हैक्टेयर भूमि भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। ग्राम धर्मपुरा तहसील कालवाड़ में प्रान्तीय भाट, भाण्ड, राणा, डोली, नट समाज को छात्रावास एवं सामुदायिक भवन हेतु 1500 व.मी. भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। क्षेत्रीय मुख्य अभियंता (जे.जेड) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर द्वारा जयपुरियो का बास तह. जयपुर में स्थित निजी खातेदारी योजना श्रीधर नगर में आरक्षित सुविधा क्षेत्र क्षेत्रफल 1500 व.मी. भूमि में 33/11 केवी सब स्टेशन हेतु भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। क्षेत्रीय मुख्य अभियंता (जे.जेड.) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर द्वारा ग्राम भांकरोटाकलां तह, सांगानेर में स्थित निजी खातेदारी योजना बिरदा एनक्लेव में आरक्षित सुविधा क्षेत्र क्षेत्रफल 1500 व.मी. भूमि में 33/11 केवी सब स्टेशन हेतु भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा ग्राम जयपुरियोकाबास तहसील जयपुर में स्थित निजी खातेदारी योजना श्रीधर नगर में आरक्षित सुविधा क्षेत्र की 3408.04 व.मी भूमि जनोपयोगी/सामुदायिक भवन हेतु भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया।

रास्ता खोलो अभियान के तहत जिला प्रशासन को मिली बड़ी कामयाबी, एक ही दिन में खुलवाए गये 44 रास्ते

- **आमजन के लिए राहत का दूसरा नाम बना रास्ता खोलो अभियान**

जिला प्रशासन जयपुर ग्रामीण
रास्ता खोलो अभियान 2024
रास्ता खोलने की दि 22.11.24
राजस्व ग्राम - त्रिलोकपुरा
रास्ते के खसरा नं 05,14
रास्ते की दूरी - 1.5 कि.मी

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 22 नवंबर। जिला कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर शुरू किए गए रास्ता खोलो अभियानकोबड़ीसफलतामिलीहै।शुक्रवारकोजिलाप्रशासननेरास्ताखोलो अभियान के तहत कुल 44 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की। इनमें से कुछ रास्ते दशकों से बंद थे जिनके खुलने से अब ग्रामीण और किसानों की गांव एवं खेतों तक की राह आसान हो गई है।इससे पहले पिछले शुक्रवार को जिला प्रशासन ने 26 एवं शनिवार को 15 रास्ते खुलवाए थे इस प्रकार अभियान के तहत अब तक जिला प्रशासन ने 85 रास्ते खुलवाए हैं।जिला प्रशासन ने बस्सी तहसील के त्रिलोकपुरी गांव में 60 साल पुराना 2 किलोमीटर लंबा रास्ता खुलवाने में कामयाबी हासिल की जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी एवं हर्ष का माहौल है अतिक्रमणकारियों ने इस रास्ते को तारबंदी कर और फसल कर अवरुद्ध कर रखा था प्रशासन ने दो दिवस पूर्व पहुंचकर सीमा ज्ञान किया और ग्रामीणों से समझाइश की उसके बाद शुक्रवार को अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाने की कार्यवाही की गई।ग्राम पंचायत से भी अच्छा सहयोग मिला उनके द्वारा तीन जेसीबी भी उपलब्ध करवाई गई। इससे 500 से अधिक ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में इस रास्ते को खुला हुआ नहीं देखा था आज रास्ता खुलने से काफी आसानी होगी।तो वहीं, सांगानेर तहसील के सिरोली और गोनेर में प्रशासन ने 25-25 साल पुराने रास्ते खोलकर ग्रामीणों को राहत प्रदान की।रास्ता खोलो अभियान के तहत शुक्रवार को आमेर तहसील में 5 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 4 रास्ते खुलवाएगएतोवहीं,आंधी,शाहपुरा,किशनगढ़-रेनवाल फुलेरा, चौमूं, सांगानेर, चाकसू, और माधोराजपुरा तहसील में 3-3 रास्ते खुलवाए गए।जोबनेर, रामपुरा-डाबड़ी, जालसू और कोटखावदा तहसील में 2-2 तो वहीं, कालवाड, बस्सी एवं तूंगा तहसील में 1-1 रास्ता खुलवाया गया।रास्ता खोलो अभियान के तहत दशकों पुराने रास्ते खोलने के बाद ग्रामीणों ने जिला कलक्टर एवं जिला प्रशासन का आभार जताया है।

26 नवम्बर को संविधान दिवस का आयोजन चित्रकूट स्टेडियम पर होगा

चमकता राजस्थान

जयपुर 22, नवंबर। संविधान के 75वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा 26 नवंबर को इसका आयोजन चित्रकूट स्टेडियम पर किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डा. नीरज कुमार पवन ने शुक्रवार को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्, नगर निगम ग्रेटर, राजस्थान युवा बोर्ड के अधिकारियों के साथ चित्रकूट स्टेडियम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।

डा नीरज कुमार पवन ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं के पुख़्ता इंतज़ाम सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान, टी शर्ट, प्ले कार्ड, मोबाईल टॉयलेट्स के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जायेगे। कार्यक्रम में बैंडवादन की प्रस्तुति दी जाएगी।पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेल्फी बूथ लगाये जायगे।

इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव राजेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें।

सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 1150 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

भारत में सबसे तेजी से बढ़ती मॉड्यूल निर्माण कंपनियों में से एक और खुद को भारत के सौर ऊर्जा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने वाली (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट) कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (₹सेबी₹) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (₹डीआरएचपी₹) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 2) की पेशकश के माध्यम से कुल 11,500 मिलियन (1150 करोड़) तक के फंड जुटाने की योजना बनाई है। इस प्रस्ताव में कुल 8500 मिलियन (850 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू ('ताजा निर्गम') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 3000 मिलियन (300 करोड़) तक का बिक्री प्रस्ताव ('बिक्री प्रस्ताव') शामिल है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (''बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'') पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। (''सूचीबद्धता विवरण'') डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड, एंबिट प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर (''बीआरएलएम'') हैं।

संक्षिप्त खबरें

आशिक ने प्रेमिका के घर खुद को मारी गोली

अररिया । जिले के भरगामा थाना क्षेत्र के खुटहा बैजनाथपुर में एक सनकी आशिक ने अपनी गर्लफ्रेंड के घर जाकर खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान रानीगंज थाना क्षेत्र के बैरख वार्ड संख्या 8 निवासी स्वर्गीय जोगी रामदास के 24 वर्षीय पुत्र मनजीत कुमार के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार की देर रात युवक अपनी गर्लफ्रेंड के घर पिस्टल लेकर पहुंच गया। पहले उसने लड़की के परिवार वालों पर पिस्टल तान दी। फिर खुद को कमरे में बंद कर अपने सिर में गोली मार दी। गंभीर अवस्था में उसे पूर्णिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के परिजन का आरोप है कि मनजीत हथियार दिखाकर उन्हें डरा-धमका रहा था कि लड़की को उसके सामने करो नहीं तो वह सभी को गोली मार देगा। इसके बाद युवक ने खुद को दरवाजे के पास बने कमरे में खुद को बंद कर लिया।

पूर्व सीपी विनीत गोयल के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है राज्य

कोलकाता। पूर्व पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल पर आरजी कर हॉस्पिटल में युवा डॉक्टर से रेप-हत्या मामले की जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगा था। पीड़िता का नाम उजागर करने केलिए उनके खिलाफ जनहित मामला दर्ज किया गया था। राज्य आरोपों की जांच कर सकता है और पूर्व सीपी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। केंद्र ने गुरुवार को एक जनहित मामले में हाई कोर्ट में यह बात कही। इस दिन मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवाग्नम और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ में हुई। केंद्र ने बताया कि विनीत गोयल के खिलाफ सिर्फ राज्य ही कार्रवाई कर सकता है। यह भी बताया गया है कि अनुशासन तोड़ने के आरोप में केवल वही राज्य सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है, जिसमें आईपीएस अधिकारी कार्यरत है। अगर राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती है तो इसकी शिकायत गृह मंत्रालय से की जा सकती है। पूर्व पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल पर कौन करेगा कार्रवाई? केंद्र या राज्य सबसे पहले ये सवाल कोर्ट में आया। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। सभी की राय मांगी गयी। गुरुवार को हाई कोर्ट की सुनवाई में केंद्र ने अपना जवाब दिया। केंद्र के मुताबिक पीड़िता का नाम बताने पर राज्य संबंधित आईपीएस विनीत गोयल के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। इतना ही नहीं, इस दिन की सुनवाई में केंद्र की ओर से यह भी अनुरोध किया गया कि पीड़िता का नाम उजागर करने के मामले में पूर्व कमिश्नर के खिलाफ मामले से केंद्र को बाहर रखा जाए। हालांकि, कोर्ट ने अभी तक इस बारे में कुछ भी नहीं बताया है।

श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन के अनुष्ठान को लेकर सुरक्षा गार्ड-छात्रों में मारपीट

कोलकाता। श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन ने विश्व भारती में कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्व भारती परिसर इसके चारों ओर युद्ध का मैदान बन गया। वामपंथी छात्र संगठन के सदस्यों ने बीजेपी नेता तथा श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन अनिर्बान गंगोपाध्याय के आसपास प्रदर्शन किया। वे सुरक्षा गार्डों से भिड़ गये। बिरोधकरि के स्पष्ट शब्द, "वे बीजेपी को रवीन्द्रनाथ के विश्व भारती में राजनीति नहीं करने देंगे।"

लंबे इंतजार के बाद हाल ही में सात भाषा द्रुपदी भाषा को मान्यता दी गई है। इस भाषा की मान्यता का जश्न मनाने के लिए विश्व भारती में श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सुबह बीजेपी नेता तथा श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन अनिर्बान गंगोपाध्याय इस कार्यक्रम में शामिल होने गए। उनके पहुंचते ही छात्र भड़क उठे। विरोध प्रदर्शनों ने उन्हें घेर लिया। जब सुरक्षा गार्डों ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की तो वे छात्रों से उलझ गये। सबमें भारी उत्साह फैल गया। पुलिस मौके पर गयी।

क्या कह रहे हैं छात्र? उनके शब्दों में, हम चाहते थे कि भाषा मान्यता का जश्न मनाने के लिए विश्व भारती द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाए। लेकिन ऐसा करने के बजाय, श्यामाप्रसाद रिसर्च फाउंडेशन ने विश्व भारती में कार्यक्रम का आयोजन किया है। हम रवीन्द्रनाथ की विश्व भारती में बीजेपी या आरएसएस का कोई साथ नहीं चाहते। इसलिए हमने विरोध किया।

लोहा-बालू तस्करी के आरोप में दुर्गापुर के 2 टीएमसी नेता गिरफ्तार

कोलकाता। गुरुवार शाम मुख्यमंत्री ने कोयला-बालू तस्करी को लेकर पुलिस को चेतावनी दी। कुछ ही घंटों में दुगार्पुर से दो दापुट तृणमूल नेताओं को लोहा और रेत तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी को लेकर विपक्ष ने भी मोर्चा खोल दिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार रिंटू पांजा वार्ड नंबर 42 की पूर्व पार्षद प्रियंकी पांजा का पति है। फिलहाल वह तृणमूल के ब्लॉक नंबर 3 के उपाध्यक्ष हैं। अरविंद नंदी दुगार्पुर के वार्ड नंबर 38 के पूर्व पार्षद हैं। रिंटू पर लंबे समय से अरबिंद से लोहा और रेत की तस्करी के आरोप लग रहे थे। गुरुवार की रात दोनों आरोपी तृणमूल नेताओं को कोकोवेन थाने में बुलाया गया। वहां पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसे दुगार्पुर थाने ले जाया गया। गिरफ्तार लोगों को आज अदालत ले जा गया। विपक्ष का दावा है कि यह पूरा मामला 'आई वॉश' है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठक

कृषकों को उर्वरक की मांग अनुसार आपूर्ति कर निर्धारित दर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

चमकता राजस्थान

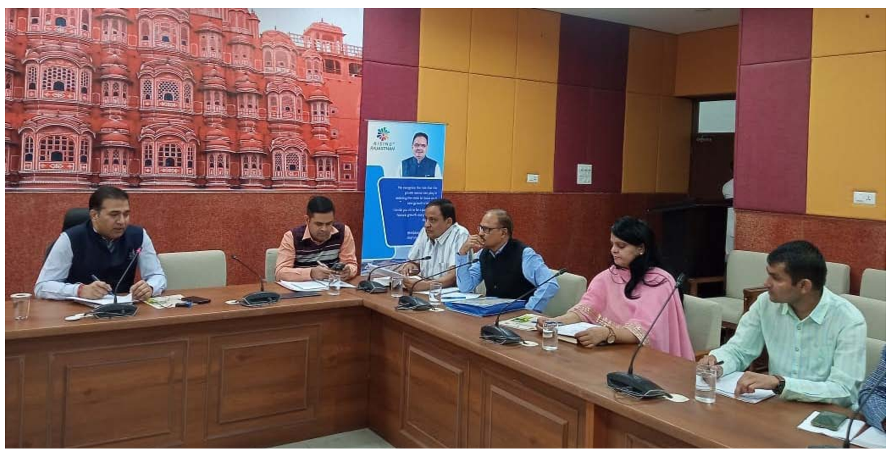

जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 नवंबर। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेग्युलेटरी टास्क फोर्स की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले में विभिन्न उर्वरकों की उपलब्धता, महीनेवार मांग एवं अधिक मांग बढ़ने वाले क्षेत्रों के चिह्निकरण के बारे में चर्चा की गई।जिला कलक्टर ने सभी उर्वरक उत्पादक/आपूर्तिकर्ता संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि जिले में उर्वरक की मांग अनुसार आपूर्ति कर निर्धारित दर पर कृषकों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें एवं विभागीय अधिकारियों को जमाखोरी व कालाबाजारी को रोकने के लिए उर्वरक निरीक्षकों के माध्यम से प्रभावी गुण नियंत्रण कार्यवाही करवाने के निर्देश दिए।साथ ही बैठक में रबी फसलों में आगामी महीनों में यूरिया उर्वरक की मांग को देखते हुए जिले के आपूर्तिकर्ता / विक्रेताओं को अभी से यूरिया का अग्रिम भंडारण करने के निर्देश दिए ताकि समय पर किसानों को मांग अनुसार यूरिया उपलब्ध हो सके। जिला कलक्टर ने कृषकों को डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में एसएसपी व यूरिया अथवा एनपीके का उपयोग करने तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की सिफारिश अनुसार संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करने के लिए जागरूक करने के साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मुंड सहित अतिरिक्त निदेशक कृषि एल. एन. बैरवा,संयुक्त निदेशक कृषि राकेश कुमार पाटनी ,संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग प्रीति यादव, पुलिस विभाग के अधिकारी ,विभिन्न उर्वरक उत्पादक आपूर्तिकर्ता संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

टैब घोटाले में 'जामताड़ा' के लोग, मुख्यमंत्री ने डीजी को दिए आदेश

संवाददाता

कोलकाता। पूरे प्रदेश में टैब भ्रष्टाचार की जांच चल रही है। पुलिस के विशेष जांचकताओं ने अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। पता चला है कि इसका बेस उत्तरी दिनाजपुर का चोपड़ा है। जांच सूत्रों के मुताबिक हाल ही में बिहार और जामताड़ा गिरोह का तार इससे जुड़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के खाते में गायब पैसे वापस कर देगी। मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस के डीजी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में एक-एक नोडल अधिकारी रखने का आदेश दिया जाये। नवान्न में मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य पुलिस डीजी राजीव कुमार मौजूद थे। उनसे सीधे कहा, "राजीब, जिले-जिले आदेश दीजिए। प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी होगा। टास्क फोर्स की बैठक होनी चाहिए। हम 1600 करोड़ रुपए का टैब देते हैं। 1900 का अकाउंट धोखाधड़ी। लेकिन जामताड़ा गैंग सबके साथ घुल-मिल रहा है। हमें उन पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है।ह्व ममता बनर्जी ने पूरी स्थिति पर अधिक निगरानी की पूरा जोर दी है। बर्दवान पुलिस ने भिन्न राज्य के निवासी को गिरफ्तार किया है। जांचकताओं को पता चला है कि गिरफ्तार युवक उस टैब पर धोखाधड़ी करता था जहां छात्र के बैंक खाते में पैसे जमा किए जाते थे। बताया जाता है कि जामताड़ा गैंग की तरह उन खातों को किराये पर लेकर भ्रष्टाचार का चक्र चल रहा था। और इसलिए मुख्यमंत्री ने भिन्न राज्यों में इस गिरोह की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने का आदेश दिया है।

किशनगंज सांसद को सड़क सम्बंधित समस्या को लेकर ग्रामीणों ने दिया पत्र

किशनगंज। जिले पौआखाली में शुक्रवार को किशनगंज कांग्रेस सांसद डा. मो. जावेद आजाद का भव्य स्वागत हुआ। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर नगर पंचायत पौआखाली के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू मुखिया को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में वार्ड के पार्षद, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि और अन्य स्थानीय नेता मौजूद थे। पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्रा भी दल बल के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि वे स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेंगे और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, स्थानीय लोगों ने डा. मो. जावेद आजाद को अपनी समस्याओं से अवगत कराया और इसी क्रम में नगर पंचायत पौआखाली के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू मुखिया की मौजूदगी में मिरभिट्ठा में पक्की सड़क के निर्माण को लेकर ग्रामीणों सहित उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबूनसर आलम ने किशनगंज सांसद को पत्र दिया है। इस पत्र में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से बताया है और पक्की सड़क के निर्माण की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग की 6,199 योजनाओं का किया शिलान्यास एवं उद्घाटन

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रामीण कार्य विभाग की 8,837.77 करोड़ रुपये लागत की 6,199 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से कार्यारंभ एवं उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कई पथों एवं पुलों का उद्घाटन के साथ शिलान्यास किया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का कायारंभ किया गया है उन सभी पथों एवं पुलों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय पूर्ण कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे सभी पथों एवं पुलों जिनका उद्घाटन आज किया जा रहा है उन सभी पथों का नियमित निरीक्षण करते हुये उनका सतत मेंटेनेंस सुनिश्चित करें ताकि उसकी गुणवत्त गुणवत्ता बनी रहे। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभाग के अन्य सभी पथों एवं पुलों की सतत निगरानी करते हुये उनका नियमित मेंटेनेंस भी सुनिश्चित करें। आज उद्घाटन की गई योजनाओं के तहत मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत 983 करोड़ रुपये की लागत से 763 पथों (कुल लंबाई 947 किलोमीटर) एवं 4 पुलों का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 1 हजार 113 करोड़ रुपये की लागत से 972 पथों की मरम्मती करायी गयी है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना अंतर्गत 92 करोड़ रुपये की लागत से 33 पथों (कुल लंबाई 104 किलोमीटर) का उन्नयन कराया गया है। राज्य योजना अंतर्गत 139 करोड़ रुपये की लागत से 5 पथों (कुल लंबाई 6 किलोमीटर) एवं 36 पुलों (कुल लंबाई 1,614 मीटर) का निर्माण कराया गया है। कायारंभ के तहत मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत 1 हजार 824 करोड़ रुपए की लागत से 1,472 पथों एवं 5 पुलों (कुल लंबाई 304 मीटर) का निर्माण किया जाना है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 02 हजार 350 करोड़ रुपये की लागत से 2.306 पथों (कुल लंबाई 4,148 किलोमीटर) की मरम्मती करायी जानी है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना अंतर्गत 01 हजार 739 करोड़ रुपये की लागत से 442 पथों (कुल लंबाई 1,701 किलोमीटर) एवं 01 पुल (कुल लंबाई 27 मीटर) का उन्नयन का कार्य कराया जाना है। राज्य योजना अंतर्गत 597 करोड़ रुपये की लागत से 30 पथों (कुल लंबाई 73 किलोमीटर) एवं 139 पुलों (कुल लंबाई 5,993 मीटर) का निर्माण कराया जाना है। कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

किशनगढ के लिए 2 एम एल डी पानी बढाया गया , सभी जोन में मिलेगा 48 घण्टे में पानी

चमकता राजस्थान

- **(केन्द्रीय मंत्री की जनसुवाई का असर हर दूसरे दिन मिलेगा किशनगढ वासियों को पानी)**
- **डी एम एफ टी से बनेगी 1867 लाख की सड़कें, केन्द्रीय मंत्री चौधरी ने की अनुशंषा**

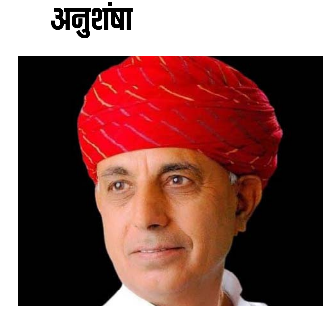

रघुनंदन पारीक श्रीनगर /अजमेर/ किशनगढ़। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भागीरथ चौधरी ने किशनगढ के उपखण्ड अधिकारियों की बैठक 18 नवम्बर को ली एवं अधिकारियों को तुरन्त कार्यवाही कर आम जन को राहत प्रदान कराने के निर्देश दिए जलदाय विभाग से सबसे ज्यादा पेयजल की अनियमित आपूर्ति की शिकायते प्राप्त हुई इस पर चौधरी ने अधिशाषी अभियंता जीनगर से कारण जाना तो बताया गया कि किशनगढ को 2 एम एल डी अतिरिक्त पानी की आवश्यकता है उक्त पानी उपलब्ध होने पर एक दिन छोड कर एक दिन अर्थात 48 घण्टे में पानी की निर्बाध सप्लाई की जा सकेगी। चौधरी ने अधीक्षण अभियंता एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर अविलम्ब किशनगढ हेतु 2 एम एल डी पानी बढाने के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री के निर्देश पर उक्त 2 एम एल डी अतिरिक्त पानी की स्वीकृति उच्चाधिकारियों द्वारा दे दी गई है और अब किशनगढ को 2 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिलना शुरू हो गया है। अधिशाषी अधिकारी सम्पत जीनगर ने बताया कि उक्त 2 एम एल डी अतिरिक्त पानी प्रतिदिन मिलना प्रारंभ हो गया है इससे किशनगढ के सभी क्षेत्रों में 48 घण्टे में पानी की निर्बाध सप्लाई सुचारू रूप से की जा रही है।

डीस्ट्रीक्ट मिनरल फाउण्डेशन से 1867 लाख की लागत से 30 किमी सडकों का निर्माण होगा, इस हेतु अजमेर सांसद और केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने प्रस्तावों की अनुशंषा की है, शिघ्र ही ग्रामीण क्षेत्र में इन सड़कों का निर्माण होगा। चौधरी ने अपने प्रस्ताव में कुल 8 सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव दिए है जिनमें डांग से हरडी रास्ते होते हुए गुन्दली - मालपुरा रोड तक 4.60 किमी सडक 252 लाख की लागत से बनेगी, भावसा से टोंक जिला सीमा नगर प्याउ तक 240 लाख की लागत से 4 किमी सडक का डामरीकरण होगा, भावसा से गेहलपुरा तक 3 किमी सड़क 180 लाख की लागत से बनेगी अराई भामोलाव सम्पर्क सडक से जोगीनाडा तक कुल 2 किमी की सड़क का निर्माण 110 लाख की लागत से होगा, भामोलाव से डांग पहाडी होते राउप्रावि डांग तक बनने वाली डामर सडक पर 301 लाख रूपये की लागत आएगी जिससे 4 किमी सडक का निर्माण होगा, ग्राम निम्बार्क तीर्थ से बबायचा तक सडक पर 609 लाख की लागत से 8 किमी सडक का डामरीकरण होगा, ग्राम जाजोता से बंधा के बालाजी तक 03 किमी सडक का निर्माण 105 लाख की लागत से होगा। इन सड़कों के निर्माण से किसानों और उद्यमियों के साथ साथ आम ग्रामीणों को यातायात के सुलभ मार्ग उपलब्ध होंगे ।

मारवाड़ी कॉलेज में आयोजित हुई जिला प्रशासन की चुनाव कार्यशाला

किशनगंज। प्रजातांत्रिक देश भारत का वैध नागरिक बनने के लिए मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य है और मतदाता बनकर ही हम चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर स्थानीय निकाय से लेकर विधानसभा व संसद में अपने प्रतिनिधि चुनते हैं। मारवाड़ी कॉलेज में जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को आयोजित चुनाव कार्यशाला में अवर निर्वाचन पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि 01 जनवरी, 2025 को जिन छात्र-छात्रा की उम्र 18 वर्ष होने वाली है वे फॉर्म 6 भरकर वांछित कागजातों के साथ अपने बीएलओ के पास जमा करें। यदि परिवार के किसी सदस्य मतदाता की मृत्यु हो गई है या स्थायी रूप से अन्यत्र शिफ्ट हो गए हैं तो उनका नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 भरें। नाम या जन्मतिथि आदि सुधार के लिए फॉर्म 8 भरें। निर्वाचन पदाधिकारी का कहना था कि भारत निर्वाचन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर भी वोटर बनने के लिए फॉर्म 6 ऑनलाइन भर सकते हैं। इसी तरह फॉर्म 7 और फॉर्म 8 भी ऑनलाइन भरा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

युवक की पीट-पीट कर हत्या

बागपत। बागपत जनपद के बिनोली थाना क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी है। पुलिस का कहना है कि म्रतक के शरीर पर चोट के निशान है लेकिन परिजनों ने कोई शिकायत नही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बिनोली पुलिस को जोहड़ी गांव के एक मकान में शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त की, शव जोहड़ी गांव निवासी अरुण उर्फ काला का बताया गया है। पुलिस का कहना है की युवक के शरीर पर चोट के निशान मिले है। परिजनों को जानकारी देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पैदल राहगीर को स्कूटी सवार ने मारी टक्कर

जोधपुर। शहर के केरू 12 मील रोड स्थित बाबा रामदेव मंदिर के पास में स्कूटी सवार युवक ने पैदल राहगीर को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल राहगीर को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर अब उसकी मौत हो गई। इस बारे में मृतक के भाईकी तरफ से नामजद स्कूटी चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। शव को पुलिस ने कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि घटना में पाली जिले के कोसेलाव तख्तगढ़ निवासी बगताराम मेघवाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उसका भाई रमेश मेघवाल 12 मील केरू स्थित बाबा रामदेव मंदिर रोड से पैदल निकल रहा था।

ढकरानी बैराज से मिला अज्ञात का शव

देहरादून। जनपद देहरादून के ढकरानी बैराज के पास से शुक्रवार को एसडीआरएफ की टीम ने एक अज्ञात शव बरामद किया। खबर लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। दरअसल, चौकी डाकपत्थर से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि ढकरानी बैराज पावर हाउस के पास एक शव दिखाई दे रहा है। इस पर पोस्ट डाकपत्थर से अपर उपनिरीक्षक सुरेश तोमर के नेतृत्व में एसडीआरएफ की एक टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और बैराज से शव बाहर निकाला। खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।

9 किलो 70 ग्राम चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कुल्लू। थाना भुंतर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चरस तस्करी के मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। बीती रात पुलिस ने हुरला स्थित स्टोन क्रेशर के पास नाके के दौरान 9 किलो 70 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस अधीक्षक डॉ. कार्तिकेयन ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान डीने राम (30), पुत्र बाजे राम, और ईशर सिंह (30), पुत्र चेत राम, दोनों निवासी नौण डाकघर ब्रैहिन, तहसील सैंज, जिला कुल्लू के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुराने वाहनों के पंजीकरण में गड़बड़ी, सिटीएम व तहसीलदार के रीडर निलंबित

फतेहाबाद। वाहन पंजीकरण फजीवाड़े मामले में एक्शन लेते हुए फतेहाबाद की उपायुक्त मनदीप कौर ने शुक्रवार को सिटीएम फतेहाबाद और टोहाना तहसीलदार के रीडरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आज डीसी कार्यालय द्वारा इस संबंध में दो लिखित आदेश जारी किए गए हैं। सस्पेंशन के दौरान दोनों का हेड क्वाटर फतेहाबाद डीसी कार्यालय रहेगा। बताया जा रहा है कि वाहन पंजीकरण में गड़बड़ी के पुराने मामले को लेकर दोनों पर कार्रवाई की गई है।

संगड़ाह में नवजात बच्ची की संदिग्ध मौत

नाहन। सिरमौर जिले के संगड़ाह उपमंडल के खुड़ द्राबिल गांव में जुड़वां नवजात बच्चों में से एक बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने गहन जांच शुरू कर दी है। यह मामला राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत वैक्सीनेशन के बाद सामने आया है। सोमवार को जुड़वां बच्चों का टीकाकरण किया गया था। टीकाकरण के बाद दोनों बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्ची को नाहन मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। बच्ची के जुड़वां भाई की हालत स्थिर है।

सीएम ने सभी मंत्रियों को बेरोजगारी से निपटने के लिए अपने विभागों में कदम उठाने का दिया निर्देश

जम्मू। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की बैठक में विधानसभा सत्र में दिए गए उपराज्यपाल के भाषण को मंजूरी दी गई और मंत्रियों को बेरोजगारी से निपटने के लिए अपने-अपने विभागों में काम शुरू करने का निर्देश दिया गया। जम्मू-कश्मीर पर्यटन मंत्री जावेद राणा ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बेरोजगारी को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और इसे एक गंभीर मुद्दा बताया जिस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को बेरोजगारी से निपटने के लिए अपने-अपने विभागों में कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि हम चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे।

कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पंचायत स्तर तक पहुंचाएं : संजय रत्न

धर्मशाला। एजेंसी

समाज कल्याण विभाग के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पंचायत स्तर तक व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद एवं पात्र लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें। यह उद्गार विधायक संजय रत्न ने शुक्रवार को धर्मशाला में उपायुक्त कार्यालय के सभागार में जिला कल्याण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बोर्ड लगवाना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न स्तरों पर कल्याण विभाग के अधिकारी जागरूकता शिविर लगाना सुनिश्चित करेंगे।

विधायक संजय रत्न ने कहा कि दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ें, इसके लिए तहसील कल्याण अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों के आवेदन इत्यादि एकत्रित करने की व्यवस्था तैयार करें। इस के लिए क्षेत्रवार विजिट का कलेंडर भी तैयार किया जाए, इसकी जानकारी संबंधित क्षेत्रों में देना सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगा निर्धारित शेड्यूल के तहत तहसील कल्याण अधिकारियों के साथ मिल सकें।

विधायक संजय रत्न ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के तहत अक्षम छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृति प्रदान की जाएगी इस के लिए 25 लाख का बजट कांगड़ा जिला के लिए आवंटित हुआ है। उन्होंने बताया कि पहली से पांचवीं तक अक्षम बच्चों के लिए 625 रुपए प्रतिमाह, आवासीय छात्रों के लिए 1875, छठी से आठवीं तक के अक्षम बच्चों के लिए 750 तथा आवासीय छात्रों के लिए 1875, नवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 950 तथा आवासीय छात्रों के लिए 1875 प्रतिमाह इसी तरह से दस जमा एक तथा जमा दो के छात्रों के लिए 1250 तथा आवासीय छात्रों के लिए 2500 रुपए प्रतिमाह, स्नातक के छात्रों के लिए 1875 तथा आवासीय छात्रों के लिए 3750, स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 2250 तथा आवासीय छात्रों के लिए 3750 प्रतिमाह, बीई, बीटेक तथा एमबीबीएस के छात्रों के लिए 3750 तथा आवासीय छात्रों के लिए 5000 रुपए प्रतिमाह छात्रवृति प्रदान की जाएगी।

गृह निर्माण के लिए 272 पात्र लोगों को मिलेगा अनुदान

जिला स्तरीय समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय रत्न ने बताया कि कांगड़ा जिला में चालू वित वर्ष में स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 272 पात्र लोगों को गृह निर्माण के लिए अनुदान दिया जाएगा जिसमें अनुसूचित जाति के 171 लोगों को गृह निर्माण के लिए 2 करोड़ 56 लाख, 50 हजार रुपए का अनुदान, अनुसूचित जनजाति के 20 लोगों को गृह निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, अन्य पिछड़ा वर्ग के 81 लोगों को एक करोड़ 21 लाख 50 हजार का अनुदान दिया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा के 9687 नए मामलों को दी मंजूरी

कांगड़ा जिला में चालू वित वर्ष में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 9687 नए मामलों को मंजूरी प्रदान की गई जिसमें वृद्धावस्था पेंशन के तहत 6720, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के तहत 233, इंदिरा गांधा राष्ट्रीय विधवा पेंशन के 97, विधवा पेंशन के 1943, अपंग राहत भत्ता के तहत 688, कुष्ठ रोग पुर्नवास भत्ता के दो मामलों को मंजूरी दी गई है।

मोदी की पहल पर देश में आया बड़ा बदलाव : ओपी चौधरी

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दो दिवसीय गुड गवर्नेंस सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को नागरिक सशक्तीकरण, सिविल सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने के लिए विभिन्न ई-प्लेटफॉर्म का उपयोग, महिला नेतृत्व, छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोत्तम प्रथाओं, समग्र विकास में संतृप्ति दृष्टिकोण पर चर्चा की जा रही है। गुड गवर्नेंस सम्मेलन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया। शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि सुशासन विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बहुत जरूरी है। चौधरी ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), सरकारी ई मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल और डिजिटल समावेशन से देश में बड़ा बदलाव आया है।

मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि भारत को 2047 तक 55 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में नौकरशाहों की अहम भूमिका होगी। सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के अधिकारियों को सुशासन के लिए खुद को बदलना होगा, ताकि उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व प्रभावित न हो। चौधरी ने कहा कि समय के साथ खुद को बदलने वाले ही प्रासंगिक होंगे।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन की सफलता तभी है जब हम लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला पाएं. उन्होंने कहा सुशासन के लिए लक्षित लोगों तक योजनाओं और कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पहुंचाने के लिए अच्छी नीयत सबसे जरूरी है।

मैट गेट्ज नहीं बनेंगे अमेरिका के अटॉर्नी जनरल

डोनाल्ड ट्रंप ने अब पैम बॉन्डी का चयन किया

वाशिंगटन। एजेंसी

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के अटॉर्नी जनरल पद के लिए अब मैट गेट्ज के स्थान पर पैम बॉन्डी का चुनाव किया है। ट्रंप ने एक सप्ताह पहले इस पद के लिए मैट गेट्ज के नाम की घोषणा की थी। पैम साल 2011 से 2019 तक अमेरिका के तीसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य फ्लोरिडा की अटॉर्नी जनरल पद पर रही हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल के दौरान वह उनकी कैबिनेट में अहम पद पर भी रही हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, मैट गेट्ज ने कल अचानक अटॉर्नी जनरल ने बनने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से उनके जानने वाले अचंभित हो गए। दरअसल गेट्ज यौन दुर्व्यवहार जैसे कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि वह इन आरोपों को निराधार बता रहे हैं।

मैट गेट्ज के पीछे हटने के बाद ट्रंप ने पैम के नाम का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनके पास व्यापक अनुभव है। उन्होंने फ्लोरिडा की पहली महिला अटॉर्नी जनरल के रूप में अपराध पर कड़ा रुख अपनाया था। सनद रहे, ट्रंप के प्रति अपनी वफादारी के लिए मैट सुर्खियों में रहे हैं।

युवक ने 12 साल के बच्चे पर तानी पिस्टल

गुरुग्राम। फुटबाल खेल रहे कुछ बच्चों में अचानक किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। नाराज एक बच्चे ने इसकी जानकारी अपने पिता को दी। बच्चे की बात सुनकर गुस्साए पिता ने पार्क में खेल रहे 12 साल के बच्चे पर पिस्टल तान दी। गनीमत यह रही कि आरोपी की पत्नी ने किसी तरह अपने पति को रोक लिया वरना एक बड़ी वारदात गुरुग्राम को फिर शर्मसार कर देती। पीड़ित बच्चे के पिता कर्ण लोहिया की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 19 नवंबर को कुछ बच्चे एंबिएंस लगून अपार्टमेंट के पार्क में फुटबाल खेल रहे थे। खेल के दौरान बच्चों में आपस में कहासुनी हो गई। तभी एक बच्चे ने अपने पिता को झगड़े की बात घर जाकर बता दी। अपने बेटे की बात सुनकर आरोपी प्रतीक सचदेवा पिस्टल लेकर पार्क में आया और बच्चे पर तान दी। अपने पति को पिस्टल लेकर जाते हुए प्रतीक की पत्नी ने किसी तरह पति को रोका। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी पर पहले से ही हरियाणा के अलावा पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बीआरआई प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते पर सहमति के लिए टास्क फोर्स का गठन

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल की ओली सरकार ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते पर सहमति बनाने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के दो प्रमुख दलों के नेताओं की एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स को तीन दिनों के भीतर एक साझा समझौते का ड्राफ्ट बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के सभापति शेर बहादुर देउबा की सहमति से दोनों दलों के दो-दो नेताओं का टास्क फोर्स गठित किया गया है। इस टास्क फोर्स में ओली की पार्टी सीपीएन (यूएमएल) की तरफ से प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल और प्रधानमंत्री के ही आर्थिक मामलों के सलाहकार डा. युवराज खतिवडा को रखा गया है जबकि नेपाली कांग्रेस की तरफ से पार्टी महामंत्री गगन थापा और एक अधिवक्ता सीमांत दहाल को रखा गया है। थापा ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली ने चीन की तरफ से समझौते का जो ड्राफ्ट आया है उसका अध्ययन कर अंतिम ड्राफ्ट बनाने को कहा है।

बीआरआई के अंतर्गत चीन सरकार की तरफ से 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक के ब्याज दर पर सिर्फ 15 वर्षों के लिए ऋण दिया जाता है। इसमें भी उनकी शर्त यह होती है कि बीआरआई के अंतर्गत आने वाले सभी परियोजना का ठेका चीन की ही कंपनी को मिलेगा और वहां काम करने वाले मजदूरों से लेकर ऊपर के सभी कर्मचारी चीनी ही होंगे। नेपाल में चीन के बीआरआई का इसलिए विरोध हो रहा है क्योंकि ऐसे पूर्वधार निर्माण के लिए विश्वबैंक, एशियाई विकास बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष साहित भारत, अमेरिका और अन्य सभी देश नेपाल के विकास के लिए अनुदान देते हैं। इन सभी की तरफ से नेपाल को ऋण पर ब्याज की दर 0.25 से 0.5 प्रतिशत तक ही रहता है जबकि इसको वापस करने की अवधि न्यूनतम 45 से 50 वर्ष होता है।

रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा : अजीत

ऋषिकेश। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश करणप्रयाग रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा, जिसके चलते अभी तक रेल विकास निगम लिमिटेड ने 125 किलोमीटर नई ब्रॉड गेज रेल लाइन बिछाई जाने के कार्य को गति दे दी है। यह जानकारी रेल विकास निगम के महा प्रबंधक अजीत यादव ने शुक्रवार को रेल विकास निगम भवन में पत्रकारों को देते हुए बताया कि इस योजना के दौरान चार नवंबर 2024 तक 28 ब्रेकथ्रू का कार्य पूरा किया जा चुका है, और दिसंबर 2025 तक 10 और ब्रेकथ्रू का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके अतर्गत 213 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ली जाएगी।

अभी तक कुल छह एमटी और छह एस्केप सुरंगों के कार्य के लिए पूरी तरह से खुदाई कर ली गई है, जिसमें सबसे ऊंची खुदाई टी 13की है जिसकी लंबाई 9.50किलो मीटर है। अजीत यादव ने बताया कि ऋषिकेश और करणप्रयाग के बीच 125 किलोमीटर नई ब्रॉड गेज रेल लाइन उत्तराखंड राज्य में एक महत्वपूर्ण विकास परियोजना है , जो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ड्रीम प्रोजेक्ट भी है, ऋषिकेश और करणप्रयाग के बीच रेल लिंक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य मे स्थित तीर्थ स्थलों तक आसान पहुंच की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के साथ पिछले क्षेत्रों के विकास और नए व्यापार केंद्र को जोड़ना क्षेत्र में रहने वाली आबादी की सेवा करना मुख्य है।

जींद : हर शिकायत पर हो त्वरित कार्रवाई : देवेंद्र अत्री

जींद। एजेंसी

पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह उचाना में शुक्रवार को भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ करीब दो घंटे तक बैठक की। बैठक में उचाना हलके में चल रहे कामों की जानकारी लेने के साथ-साथ विकास के कामों में तेजी लाने को लेकर चर्चा की। बैठक में नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी, बिजली, पंचायत, जनस्वास्थ्य विभाग, मार्केट कमेटी, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से अधिकारी पहुंचे। विधायक ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धुंध का मौसम है। ऐसे में जिस भी सड़क पर सफेद पट्टी नही है या सफेद पट्टी फीकी पड़ गई है वहां सफेद पट्टी बनाई जाए ताकि धुंध के मौसम में वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो। नगर पालिका एरिया में सफाई व्यवस्था बेहतर करने के साथ-साथ जहां-जहां भी स्ट्रीट लाइटें खराब है उनको ठीक करने के निर्देश दिए गए।

पीने के पानी के संबंधित विधायक ने कहा कि जिस भी गांव में पीने के पानी संबंधित कोई समस्या है उसका समाधान प्राथमिकता से किया जाए।

ट्रेड फेयर का कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने किया उद्घाटन

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में लाल भवन के सामने स्थित दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की ओर से आयोजित ट्रेड फेयर का उद्घाटन शुक्रवार को कुलपति प्रो.बिहारी लाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि ट्रेड फेयर हमारे युवाओं को उनके कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक विशिष्ट अवसर है। इससे युवाओं के कौशल और प्रतिभा को भी पहचान मिलती है। कुलपति ने कहा कि यह मेला न केवल हमारे छात्रों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह हमारे समाज को भी उनके कौशल और प्रतिभा को पहचानने और उनका समर्थन करने का अवसर प्रदान करता है। ट्रेड फेयर हमारे विश्वविद्यालय के मिशन के अनुरूप है, जो हमारे छात्रों को उनके कौशल और प्रतिभा को विकसित करने और समाज में उनका योगदान करने के लिए प्रेरित करना है।

धार्मिक

श्रृंगवेरपुर धाम में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के साथ रूरल टूरिज्म का हब बनकर तैयार

भगवान श्री राम से जुड़ी एक और नगरी को भव्य स्वरूप दे रही योगी सरकार

- कुंभनगरी के लिए श्रृंगवेरपुर धाम बना महाकुम्भ का नया डेस्टिनेशन
- यूपी सरकार ने 3781 लाख से श्रृंगवेरपुर धाम का किया विकास

प्रयागराज। एजेंसी

योगी सरकार प्रयागराज महाकुम्भ को दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान कर रही है। प्रयागराज नगरी के साथ ही जिले में गंगा किनारे स्थित निषादराज गुह्य की राजधानी रहे श्रृंगवेरपुर धाम का भी कायाकल्प सरकार कर रही है। श्रृंगवेरपुर धाम में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के साथ रूरल टूरिज्म की भी सम्भावनाएं विकसित हो रही हैं।

मिल रहा है भव्य स्वरूप

रामनगरी अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के भव्य निर्माण और गर्भग्रह में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब प्रभु राम के अनन्य भक्त निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भी भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। यूपी की पूर्व की सरकारों में उपेक्षित रहे प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई पहचान दी है। सामाजिक समरसता के प्रतीक इस स्थान को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के साथ अब रूरल टूरिज्म के साथ भी जोड़ कर विकसित किया जा रहा है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि श्रृंगवेरपुर धाम के कायाकल्प का कार्य समापन पर है। इसके अंतर्गत यहां 3732.90 लाख रुपये की लागत से निषादराज पर्यटन पार्क स्थल का निर्माण कार्य दो फेज में किया गया है।

निषादराज पार्क (फेज-1) के निर्माण हेतु 1963.01 लाख रुपये के बजट से निषादराज एवं भगवान श्रीराम मिलन की मूर्ति की स्थापना व मूर्ति के पैडेस्टल का कार्य, पोडियम का कार्य, ओवर हेड टैंक, बाउण्ड्रीवाल, प्रवेश द्वार का निर्माण, गार्ड रूम आदि कार्य कराया गया।

इसी तरह श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क (फेज-2) के 1818.90 लाख रुपये के बजट से भगवान श्रीराम के निषादराज मिलन से सम्बन्धित गैलरी, चित्रांकन, ध्यान केन्द्र, केयर टेकर रूम, कैफेटेरिया, पॉथ-वे, पेयजल व टॉयलेट ब्लॉक, कियास्क, पार्किंग, लैंड स्केपिंग, हॉर्टिकल्चर, आउटर रोड, सोलर पैनल, मुक्ताकाशी मंच आदि कार्य कराए गए हैं। 6 हेक्टेयर में बनाए गए इस भव्य पार्क का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

रूरल टूरिज्म का हब बनेगी निषादराज की नगरी

धार्मिक और आध्यत्मिक पर्यटन के साथ श्रृंगवेरपुर धाम को ग्रामीण पर्यटन के साथ जोड़कर विकसित करने का रोड मैप तैयार किया गया है। अपराजिता सिंह के मुताबिक रूरल टूरिज्म के अन्तर्गत श्रृंगवेरपुर धाम को विकसित किये जाने के लिए सबसे पहले यहां ग्रामीण क्षेत्र में होम स्टे की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए यहां स्थानीय लोगों को अपने यहां मड हाउस या हट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि पर्यटकों को कुछ अलग अनुभव हो सके। इन सभी स्थानों पर थीमेटिक पेंटिंग होगी, स्थानीय खानपान और स्थानीय संस्कृति को भी यहां संरक्षित किया जाएगा। पर्यटक भी यहां स्टे करने के दौरान स्थानीय ग्रामीण क्राफ्ट का हिस्सा बन सके, ऐसी उनकी कोशिश है।

ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सपा बनायेगी अखिलेश के नेतृत्व में सरकारः शिवशंकर

चित्रकूट। एजेंसी

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का 86वां जन्मदिन चित्रकूट में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में सपाईयों ने 86किलो का केक काटकर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव के विचारों को आत्मसात कर 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में यूपी में पूर्ण बहुमत के साथ सपा की सरकार बनाने का संकल्प लिया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का 86वां जन्मदिन समाजवादी पार्टी चित्रकूट कार्यालय में बडे ही धूमधाम से मनाया गया। पार्टी जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मो0गुलाब खां, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल, वरिष्ठ नेता डॉ निर्भय सिंह पटेल, गौरी शंकर मिश्रा, अनुज सिंह, सूरज, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मान सिंह पटेल आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में 86 किलो का केट काटकर नेता जी के विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहा कि देश की सियासत में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता।

संक्षिप्त खबरें

यूएसपीएल 3 में जलवा बिखेरंगे सौरभ, उन्मुक्त चंद, रहकीम कॉर्नवाल और ड्वेन स्मिथ जैसे क्रिकेटर

फ्लोरिडा। यूएसए के क्रिकेटर उन्मुक्त चंद और सौरभ नेत्रवलकर, वेस्टइंडीज के ड्वेन स्मिथ और रहकीम कॉर्नवाल शुक्रवार से फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 में शामिल होने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से हैं। यूएसपीएल का तीसरा सीजन भी इन खिलाड़ियों की तरह बड़ा और बेहतर होने वाला है। इसमें भाग लेने वाली कैरोलिना ईगल्स, अटलांटा ब्लैककैप्स, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स, मैरीलैंड मावेरिक्स, न्यू जर्सी टाइटन्स, न्यूयॉर्क काउबॉय जैसी सभी 6 फ्रेंचाइजी ट्रॉफी के लिए मैदान पर खूब पसीना बहा रही हैं। शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) से शुरू हो रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मुकाबला कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच खेला जाएगा, जबकि इसी दिन के दूसरे मैच में मैरीलैंड मावेरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स की भिड़ंत देखने को मिलेगी। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ड्वेन स्मिथ मैरीलैंड मेवरिक्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि हार्ड-हिटिंग ऑलराउंडर रहकीम कॉर्नवाल अटलांटा ब्लैककैप्स के कप्तान हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के दौरान अपनी छाप छोड़ने वाले सौरभ नेत्रवलकर न्यू जर्सी टाइटन्स के लिए खेलेंगे, जबकि पूर्व भारतीय अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स टीम का हिस्सा होंगे। सीजन 3 की पूर्व संध्या पर यूएसपीएल के संस्थापक और अध्यक्ष जयदीप सिंह ने कहा कि यूएसपीएल सीजन 3 क्रिकेट का उत्सव है, जो वैश्विक प्रतिभाओं और स्थानीय सितारों को अमेरिका हम इस सीजन को खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईपीएल नीलामी कार्यक्रम से पोंटिंग और लैंगर की मुश्किलें बढ़ीं

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के लिए रखे कार्यक्रम के कारण उन्हें और जस्टिन लैंगर को परेशानी होगी। पोंटिंग लौर लैंगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए कमेंट्री टीम में शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि नीलामी का कार्यक्रम 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में रखा गया है। इस कारण उन्हें पहले टेस्ट मैच को बीच में ही छोड़कर जाना होगा। पोंटिंग और लैंगर आईपीएल फ्रेंचाइजी से कोच के तौर पर जुड़े हैं। जेद्दा में होने वाली नीलामी में पोंटिंग बतौर पंजाब किंग्स कोच, लैंगर लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच के रूप में मौजूद रहेंगे। पोंटिंग और लैंगर पर्थ टेस्ट के पहले दिन ही कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे, इसके बाद इन्हें जाना होगा। पोंटिंग ने कहा कि, ये मेरे और लैंगर के लिए कठिन स्थिति है। हम पिछले कुछ महीनों से सोच रहे थे कि शायद टेस्ट मैच और नीलामी में अंतर होगा। इससे दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर से दबाव हट जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ। वहीं अब आईपीएल की ओर से कहा गया कि तरीखें तय हैं और उनमें बदलाव नहीं होगा।

पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन हो गया है। नजीर जूनियर के नाम से मशहूर नजीर का लंबी बीमारी के बाद लाहौर में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 14 टेस्ट और चार वनडे मैच खेले। उन्हें सबसे ज्यादा याद अक्टूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में की गई शानदार पारी के लिए किया जाता है। कराची में एक ऐसी पिच पर खेलते हुए जो शुरू से ही स्पिन लेती थी, नजीर ने अपनी पहली पारी में 99 रन देकर 7 विकेट चटकाए। इसके अलावा, उन्होंने बल्ले से नाबाद 29 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 17 रन बनाकर नाबाद रहे। टेस्ट मैच ड्रॉ रहा, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मैच साबित हुआ, क्योंकि यह महान हनीफ मोहम्मद का आखिरी टेस्ट था, और उनके छोटे भाई सादिक का पहला। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा पीसीबी की ओर से मैं हमारे पूर्व टेस्ट क्रिकेटर मोहम्मद नजीर के निधन पर अपनी संवेदना और दुख व्यक्त करता हूं।

पर्थ टेस्ट: भारतीय गेंदबाजों ने दिलाई भारत को वापसी

ऑस्ट्रेलिया ने 67 रन पर खोए 7 विकेट, नीतीश 41 रन, पंत 37 और राहुल ने 26 रन बनाए

- जसप्रीत बुमराह ने झटके 4 विकेट
- पहली पारी के आधार पर भारत अभी भी 83 रन आगे

पर्थ। एजेंसी

तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां पर्थ में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार वापसी करते हुए पहले दिन का खेल खत्म होने पर केवल 67 रनों पर ऑस्ट्रेलिया के 7 विकेट गिरा दिये।

दिन का खेल खत्म होने पर एलेक्स कैरी 19 और मिचेल स्टॉर्क 6 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर भारत अभी भी 83 रन आगे है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी। 150 रनों पर ऑल आउट होने के बाद लग रहा था कि भारतीय टीम मैच में पिछड़ जाएगी, लेकिन कप्तान जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों ने भारतीय टीम को बेहतरीन वापसी दिलाई।

२47 के कुल स्कोर पर सिराज ने मार्नस लाबुशेन (02) को एलबीडब्ल्यू कर मैच में अपना दूसरा विकेट लिया और भारत को छठी सफलता दिलाई। 59 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने पैट कमिंस को (03) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। मैच में बुमराह का यह चौथा विकेट था। इसके बाद कैरी (नाबाद 19) स्टॉर्क (नाबाद 06) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट पर 67 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, मोहम्मद सिराज ने 2 और हर्षित राणा ने 1 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 150 रनों पर सिमटी

इससे पहले मैच में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पूरी टीम केवल 150 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। नीतीश के अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 4, मिचेल स्टॉर्क, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 2-2 विकेट लिए।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को ढहाया

जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने केवल 19 रनों के कुल स्कोर पर नाथन मेकस्विनी (10), उस्मान ख्वाजा (08) और स्टीवन स्मिथ (00) को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हर्षित राणा ने 31 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड (11) को बोल्ड कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। सिराज ने 38 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श को स्लीप में केएल राहुल के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया।

आईपीएल 2025 की शुरुआत 14 मार्च से, 25 मई को खेला जाएगा फाइनल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अगले तीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन की तारीखों की घोषणा कर दी है। सबसे ज्यादा दिलचस्पी 2025 सीजन पर है, जो 14 मार्च (शुक्रवार) से 25 मई (रविवार) तक चलेगा। इसके अलावा 2026 सीजन 15 मार्च (रविवार) से 31 मई (रविवार) तक और 2027 का सीजन 14 मार्च (रविवार) से 30 मई (रविवार) तक आयोजित किया जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, गुरुवार को फ्रैंचाइजी को भेजे गए ईमेल में, आईपीएल ने टूर्नामेंट की तारीखों को विंडो बताया, लेकिन संभावना है कि ये अंतिम तिथियां हो सकती हैं। 2025 के सीजन में 74 मैच होंगे, जो पिछले तीन सीजन के बराबर है। हालांकि, यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से दस कम है, जब 2023-27 चक्र के लिए मीडिया अधिकार बेचे गए थे।

नए अधिकार चक्र के लिए निविदा दस्तावेज में, आईपीएल ने प्रति सत्र अलग-अलग मैचों की संख्या सूचीबद्ध की थी: 2023 और 2024 में 74-74 मैच, 2025 और 2026 में 84-84 मैच और 2027 में सौदे के अंतिम वर्ष के लिए अधिकतम 94 मैच।

विदेशी खिलाड़ियों ने पूरी उपलब्धता का संकेत दिया

फ्रैंचाइजी को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, अधिकांश पूर्ण सदस्य देशों के विदेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में अगले तीन वर्षों तक खेलने के लिए अपने-अपने बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिसके खिलाड़ी दोनों देशों की सरकारों के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण 2008 में उद्घाटन सत्र के बाद से आईपीएल में नहीं खेले हैं।

अर्जुन पुरस्कार विजेता नसरीन शेख खो-खो विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत की नसरीन शेख, 13-19 जनवरी को भारत में होने वाले खो-खो विश्व कप के पहले संस्करण के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि कप्तान और चौथी एशियाई चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता बनने का उनका सफर आसान नहीं था। नसरीन की खो-खो यात्रा तीसरी कक्षा में शुरू हुई, क्योंकि उनकी बड़ी बहन भी खो-खो खिलाड़ी थीं, लेकिन उन्हें अपने सपने को पूरा करने के लिए अपने परिवार से समर्थन नहीं मिला।

इसलिए, अपनी बहन से प्रेरणा और समर्थन पाकर, नसरीन ने अपनी बहन के सपने को पूरा करने के लिए सफर शुरू किया।

नसरीन ने विज्ञप्ति में कहा मेरी बड़ी बहन को खो-खो खेलने का मौका नहीं मिल पाया। वह परिवार में सबसे बड़ी थी और उस समय हमारी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि हम उसे किसी भी खेल में शामिल कर सकें। मैं उस समय बहुत छोटी थी और उसे नेशनल्स में खेलने की अनुमति नहीं थी। इसलिए उसने मुझे भारत के लिए खेलने और स्वर्ण पदक जीतने के अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उसने मेरी अच्छी तरह से देखभाल की और क्योंकि उसे मौका नहीं मिला, उसने अपना पूरा ध्यान मुझ पर केंद्रित किया और पहली बार मुझे लगा कि मुझे खो-खो खेलना चाहिए, वह मेरी बड़ी बहन को देखने के बाद था।

सड़क किनारे बाजार में बर्तन बेचने वाले अपने पिता के साथ एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली नसरीन ने कभी भी मुश्किलों का सामना नहीं किया। खेल में उनके योगदान के कारण उन्हें पिछले साल अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब उनका लक्ष्य आगामी खो-खो विश्व कप में अपना जलवा बिखेरकर अपने परिवार और देश को गौरवान्वित करना है।

गुलाबी गेंद मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम में शामिल हुए बोलैंड, कोंस्टास, रेनशॉ

मेलबर्न। एजेंसी

स्कॉट बोलैंड कैनबरा में भारत के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलेंगे, ताकि टेस्ट श्रृंखला के दौरान जरूरत पड़ने पर वह खुद को मैच के लिए तैयार रख सकें। सैम कोंस्टास, जिन्होंने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला था, मैट रेनशॉ के साथ खेलेंगे, जिन्हें इस साल की शुरूआत में रिजर्व टेस्ट बल्लेबाज होने के बावजूद उस सीरीज के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था। न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स टीम का नेतृत्व करेंगे।

30 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले मैच के लिए राज्य टीम के साथी ओली डेविस उनके साथ होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा प्रधानमंत्री एकादश का मैच बेहद प्रतिभाशाली टीम के लिए दूसरे टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले एकमात्र मैच में मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है।

हम टेस्ट टीम के हिस्से के रूप में स्कॉट बोलैंड की मैच फिटनेस को बनाए रखने के अवसर का उपयोग कर रहे हैं।

कोंस्टास ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के चार सदस्यों में से एक हैं, जिसने इस साल की शुरूआत में विश्व कप जीता था, जो तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, चार्ली एंडरसन और एडेन ओ'कॉनर के साथ प्रधानमंत्री एकादश का हिस्सा होंगे।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने डब्ल्यूएसकेएल 2025 को दी मंजूरी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने आधिकारिक तौर पर विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन की अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन मिलकर करने जा रहा है। आईकेएफ ने डब्ल्यूएसकेएल की आयोजक संस्था एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को एक बधाई देते हुए एक नोट जारी किया, जिसमें कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दृष्टिकोण की सराहना की गई है। उन्होंने कहा कबड्डी लीग शुरू करना छोटी बात नहीं है, इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता है, बल्कि इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कौशल और प्रतिबद्धता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने आगे कहा आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्लूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे। मैदान पर आने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी की जाएगी। जिससे न केवल खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनको प्रोत्साहन मिलने के साथ ही लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट का दर्जा भी प्राप्त होगा। दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी फेडरेशन (एसईएकेएफ) ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्लूएसकेएल आयोजित करने का पूर्ण और विशेष अधिकार प्रदान किया है, ताकि लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके।

व्यापार

घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख

नई दिल्ली। एजेंसी

HINDALCO +0.79
+0.50

घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान मजबूती नजर आ रही है। कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसमें लिवाल भारी पड़ते हुए नजर आए। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.99 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, एचडीएफसी लाइफ और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 1.97 प्रतिशत से लेकर 1.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और सन फार्मास्युटिकल्स के शेयर 4.29 प्रतिशत से लेकर 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,302 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,703 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 599 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 1 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 47 शेयर हरे निशान में और 3 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स 193.95 अंक की मजबूती के साथ 77,349.74 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में पहले खरीदारी का जोर बनता हुआ नजर आया, वहीं थोड़ी ही देर बाद बिकवालों ने दबाव बना दिया।

बीएमडब्ल्यू इंडिया 1 जनवरी से अपने सभी मॉडलों की कीमत तीन फीसदी तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली। एजेंसी

जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू की भारतीय इकाई बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपने सभी मॉडलों की कीमत में तीन फीसदी तक इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि नई दरें एक जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि उसके सभी मॉडलों की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि नई दरें 1 जनवरी, 2025 से लागू होंगी। हालांकि, कंपनी ने उन कारणों के बारे में विस्तारपूर्वक नहीं बताया है, जिनकी वजह से उसकी कार की कीमतों में बढ़ोतरी करने की जरूरत पड़ी है।

बीएमडब्ल्यू इंडिया की स्थानीय तौर पर निर्मित कारों की रेंज में 2-सीरीज ग्रैन कूप, 3-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7 और एम340आई शामिल हैं। कंपनी पूर्ण निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आई4, आई5, आई7, आई7 एम70, आईएक्स1, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, जेड4 एम40आई, एम2 कूप जैसे मॉडल भी बेचती है। उल्लेखनीय कि पिछले हफ्ते मर्सिडीज-बेंज ने इनपुट लागत में वृद्धि और उच्च परिचालन व्यय का हवाला देते हुए एक जनवरी, 2025 से भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में तीन फीसदी तक बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। भारत में मर्सिडीज-बेंज कारों की कीमतें जीएलसी के लिए दो लाख रुपये से लेकर शीर्ष मर्सिडीज-मेबैक एस 680 लग्जरी लिमोसिन के लिए 9 लाख रुपये तक बढ़ जाएंगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। दिसंबर के महीने में ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,948.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,973.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 43,861.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जिंका लॉजिस्टिक्स ने लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश

नई दिल्ली। एजेंसी

ट्रक ऑपरेटरों को ब्लैकबक ट्रेड नेम से डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर आज लगभग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी थोड़ी ही देर में खत्म हो गई। बिकवाली के दबाव के कारण ये शेयर 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11 बजे कंपनी के शेयर 8.85 रुपये यानी 3.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 264.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग 279.05 रुपये के स्तर पर हुई, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इस शेयर ने 280.90 रुपये के स्तर पर लिस्ट होकर दस्तक दी थी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस का 1,114.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 1.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

अडानी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी से कराई जाए :डोटासरा

चमकता राजस्थान

जयपुर 22, नवंबर। प्रदेश काँग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि सेबी के अमेरिकी समकक्ष, प्रतिभूति विनिमय आयोग (एसईसी) का आरोप है कि गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों ने भारत में उच्च-मूल्य वाले सौर ऊर्जा अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ ($250 मिलियन) की रिश्वतखोरी की योजना बनाई. उन्होंने बताया कि अमेरिकी अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 2020 और 2024 के बीच, अडानी और उनके सह-प्रतिवादियों ने 16,000 करोड़ ($2 बिलियन) से अधिक लाभ अर्जित करने वाले अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की. ये अनुबंध आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, ओडिशा और तमिलनाडु राज्यों से संबंधित थे. यह घटनाक्रम कांग्रेस पार्टी के ''हम अडानी के हैं कौन'' अभियान को सही साबित करता है, जिसमें प्रधानमंत्री के अडानी के साथ करीबी संबंधों के बारे में 100 सवाल उठाए गए थे. ।डोटासरा ने कहा कि यह स्पष्ट है कि सफेदपोश अपराध की जांच करने वाली संस्थाएँ - सेबी, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), और आयकर विभाग, न केवल विश्वास करने लायक आरोपों के बावजूद अडानी की जांच करने में विफल रहा हैं, बल्कि उच्च अधिकारियों के आदेशों पर उनकी कुछ जाँचों को भी रोक दिया गया है. इसके उलट, इन एजेंसियों का दुरुपयोग प्रधानमंत्री की निगरानी में अडानी द्वारा हवाई अड्डों, बंदरगाहों, मीडिया कंपनियों और सीमेंट संयंत्रों के अधिग्रहण को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया है. उन्हें विपक्षी राजनेताओं को निशाना बनाने, विपक्षी दलों को खत्म करने और विपक्षी मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने के लिए भी हथियार बनाया गया है. डोटासरा ने बताया कि यही कारण है कि अमेरिका जैसे देश के अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों से अडानी के खिलाफ जाँच सामने आ रही है. फिर, अमेरिका में यह अपराध क्यों माना जाता है? गौतम अडानी और उनके सहयोगियों के खिलाफ अभियोग में अमेरिकी कानून का उल्लंघन शामिल है, विशेष रूप से विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (FCPA) और संघीय प्रतिभूति कानूनों के तहत इसे गैर कानूनी माना गया है.

FCPA उल्लंघन

FCPA कानून अमेरिकी व्यक्तियों, व्यवसायों और अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध या अमेरिकी-संबंधित गतिविधियों में शामिल विदेशी संस्थाओं को विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देने पर रोक लगाता है.

प्रतिभूति धोखाधड़ी

प्रतिवादियों पर रिश्वतखोरी को छुपाकर और अपने भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों के बारे में झूठे दावे करके अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने के लिए प्रतिभूति धोखाधड़ी का भी आरोप लगाया गया है. अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड पर इन गतिविधियों का खुलासा किए बिना अमेरिकी निवेशकों से $175 मिलियन से अधिक जुटाने का आरोप है, इस प्रकार संघीय प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन किया गया है.

वायर धोखाधड़ी की साजिश

इसके अतिरिक्त, अभियोग में वायर धोखाधड़ी करने की साजिश का आरोप लगाया गया है, जिसमें धोखाधड़ी करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक संचार शामिल है. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अमेरिकी निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से रिश्वत योजना को छुपाना अमेरिकी कानून के तहत वायर धोखाधड़ी माना जाता है.

मतदाताओं के लिए चिंताजनक क्यों ?

1. **भारत में रिश्वतखोरी एक अपराध है:** भारतीय कानून के तहत भी रिश्वतखोरी अवैध है, और जो अमेरिकी कानून के तहत अपराध है, वह भारतीयों के लिए भी कम अहम नहीं हो सकता है.
2. **सेबी नियमों का उल्लंघन:** अभियोग से पता चलता है कि अडानी ने भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों से झूठा दावा किया कि कोई जांच नहीं चल रही है, ये गलत बयानी सेबी नियमों का साफ तौर पर उल्लंघन है.
3. **बिजली की कीमतों पर प्रभाव:** अडानी समूह के घोटाले सीधे तौर पर बिजली की कीमतों में बढ़ोत्तरी से जुड़े हुए है. अभियोग में कहा गया है कि डिस्कॉम को महंगी दरों पर सौर ऊर्जा खरीदने के लिए रिश्वत दी गई थी, जिसका खर्च का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला गया. इसके अलावा, पहले कोयले और बिजली उपकरणों के दाम बढ़ा कर दिखाने के लगाने के आरोप लगे थे. दाम बढ़ा कर दिखाने से भी बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी हुई. उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया से गुजरात के मुंदड़ा को निर्यात किए गए कोयले में भारत पहुंचने से पहले रहस्यमय तरीके से 50% की बढ़ोत्तरी देखी गई. अडानी पावर द्वारा बढ़ाए गए दाम पर खरीदे गए कोयले के कारण गुजरात में 2021 और 2022 के बीच बिजली की दरें दोगुनी हो गईं.

शेयर बाजार में हेरफेर

कोयले के ओवर-इनवॉइसिंग से प्राप्त धन का कथित तौर पर अडानी समूह की कंपनियों में बेनामी होल्डिंग बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया, जो सेबी के नियमों का उल्लंघन है. इन गतिविधियों ने अडानी के शेयर के दाम को कृत्रिम रूप से बढ़ा दिया, जिससे शेयर बाजार में 10 करोड़ भारतीय निवेशकों के लिए जोखिम पैदा हो गया.

सेबी की भूमिका

एसईसी की निर्णायक कार्रवाई सेबी की उस नाकामी को उजागर करती है, जो सुप्रीम कोर्ट की कार्यकारी समिति द्वारा दो महीने की तय मियाद के बावजूद 20 महीने बाद भी अडानी के खिलाफ अपनी जांच पूरी करने में नहीं कर पाई. सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के अडानी के साथ वित्तीय संबंध इस देरी के बारे को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं.

कार्रवाई का आह्वान

कांग्रेस रिश्वतखोरी के इन गंभीर आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से गहराई से जांच की मांग करती है, जिसके कथित तौर पर भरोसेमंद सबूत हैं. अगर बीजेपी विपक्षी शासित राज्यों और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर के इस मामले में शामिल होने का आरोप लगाती हैं, तो अप्रत्यक्ष रूप से यह भी स्वीकार कर रही है कि अडानी ने अधिकारियों को रिश्वत दी. क्या यह अपराध नहीं है? ऐसा क्यों है कि विपक्षी मुख्यमंत्रियों को 31 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के आरोपों के लिए गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन प्रधानमंत्री के करीबी सहयोगी पर 2,000 करोड़ रुपये के आरोप होने के बावजूद वे खुलेआम घूम रहा हैं? कानून के अमल में ये भेदभाव राष्ट्र के साथ अन्याय है।

संक्षिप्त समाचार

दिया कुमारी ने लोकमंथन- 2024 कार्यक्रम में लिया भाग

NMDC
GRAND NARRATIVE FOR A GREAT BHARAT

चमकता राजस्थान। हैदराबाद /जयपुर। दिया कुमारी ने लोकमंथन-2024 कार्यक्रम में "Grand Narrative for a Great Bharat" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत एवं प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंदकुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह आयोजन भारत के वैभवशाली भविष्य और उसकी महान सांस्कृतिक धारा पर चिंतन को और अधिक सशक्त बनाएगा।

सुरेश सिंह रावत ने की योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर/अजमेर/ पुष्कर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने दो दिवसीय उत्तर प्रदेश यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने योगी को तीर्थराज पुष्कर की यात्रा के लिए आमंत्रित भी किया एवं राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मध्य जल संसाधनों की सहभागिता और कार्य योजना के संदर्भ में संवाद किया। योगी जी ने राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा जल उपलब्धता की दिशा में एक वर्ष में किए गए अभूतपूर्व निर्णयों की सराहना की और इसे ऐतिहासिक बताया। साथ ही उन्होंने योगी जी को पुष्कर में बनाए जा रहे ब्रह्म कॉरिडोर एवं विकास कार्यों की कार्ययोजना के संदर्भ में भी विस्तृत जानकारी दी। सुरेश सिंह रावत को योगी ने गणपति जी की प्रतिमा भेंट की। उत्तर प्रदेश के अतिथि के रूप में आतिथ्य सेवा प्रदान करने के लिए सुरेश सिंह रावत ने योगी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के तहत विक्टर इन्फेंट विद्यालय में तंबाकू मुक्ति संकल्प

vivo Y56
Ramdas Tarun Bari, Rajasthan

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी, 22 नवंबर। विक्टर इन्फेंट माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के तहत तंबाकू मुक्ति के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रभात संस्थान धौलपुर और युवा चेतना समिति बाड़ी धौलपुर के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। प्रभात संस्थान के निदेशक राकेश कुमार ने बताया कि टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 भारतभर में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य तंबाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाना है। राजस्थान में लगभग 1 करोड़ 20 लाख तंबाकू उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 60 लाख लोग धूम्रपान (बीड़ी, सिगरेट आदि) करते हैं। और 60 लाख लोग तंबाकू (खैनी, जर्दा आदि) का सेवन करते हैं। राकेश कुमार ने यह भी बताया कि राजस्थान में धूम्रपान से प्रतिदिन लगभग 200 मौतें होती हैं, और एक साल में करीब 80,000 लोग इस कारण अपनी जान गंवा देते हैं।कार्यक्रम के अध्यक्ष रामदास तरुण ने इस दौरान बताया कि विद्यालय से 100 गज की दूरी तक गुटखा और तंबाकू बेचना एक दंडनीय अपराध है। अगर कोई व्यक्ति विद्यालय परिसर या सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ 200 का चालान काटा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष बंसल ने सभी बच्चों को मीठी सुपारी, तंबाकू, बीड़ी या किसी भी प्रकार के धूम्रपान से बचने की प्रेरणा दी। साथ ही, सभी उपस्थित बच्चों और स्टाफ के साथ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने संकल्प लिया कि वे कभी भी धूम्रपान नहीं करेंगे। और अपने परिचितों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही, विद्यालय को धूम्रपान मुक्त बनाने के लिए भी अपना पूरा प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर संस्थान की ओर से राकेश कुमार, रामदास तरुण, राजेश, मनीष, प्रधानाचार्य आशीष बंसल और विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

धनोरा के महात्मा गांधी विद्यालय में मुख्यमंत्री निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिल वितरित

चमकता राजस्थान

MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL
DHANORA BARI DHOLPUR

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी, 22 नवंबर। धनोरा स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 9वीं की छात्राओं को मुख्यमंत्री निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिल वितरित की गई। इस योजना के तहत 15 छात्राओं को यह साइकिल प्राप्त हुई, जिन्हें विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनोरा गांव के समाजसेवी रामसेवक मीना थे, विशिष्ट अतिथि के रूप में विशम्भर मीणा, राकेश मीणा और विद्यालय में उपस्थित अभिभावक पत्रकार राजकुमार शर्मा ने कार्यक्रम में भाग लिया विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य छात्रों की शिक्षा में सहायता प्रदान करना है, जिससे वे स्कूल जाने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करें। साइकिल वितरण के बाद छात्राएं खुश नजर आईं और उनका उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया। इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ सदस्य विजय सिंह पूनिया, जसवंत सिंह, राधे लाल, रामनिवास मीणा, अशोक रावत और रेशमा बानो भी उपस्थित रहे।

हुकुमचंद मेमोरियल कप का शुभारंभ

HUKUMCHAND PUBLIC SR. SEC. SCHOOL
AJMER

चमकता राजस्थान

अजमेर। हुकुमचंद पब्लिक सीनियर सेकंडरी विद्यालय अजमेर के द्रोणाचार्य के परिसर में चार दिवसीय हुकुमचंद मेमोरियल कप का शुभारंभ किया गया था । कल द्वितीय दिवस पर प्रथम मैच परशुराम एकेडमी विद्यालय श्रीनगर एवं सेंट जॉन्स विद्यालय नसीराबाद के बीच खेला गया जिसमें परशुराम विश्वविद्यालय की टीम विजेता रही। तृतीय मैच डीपीएस स्कूल अजमेर और राजकीय विद्यालय लवेरा के बीच हुआ। जिसमें डीपीएस विद्यालय की टीम विजयी रही। तृतीय मैच हुकुमचंद पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेकेंडरी अजमेर एवं क्वीन मैरी स्कूल नसीराबाद के बीच खेला में जिसमें हुकुमचंद पब्लिक स्कूल विजेता रही। 22/11/2024 तृतीय दिवस पर प्रथम मैच डोला डाटा न्यारा एवं डी पी एस पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजमेर के बीच हुआ। जिसमें डोला डाटा न्यारा को टीम विजयी रही। प्रधानाचार्य ने बताया कि कल का मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहेगा। कल फाइनल मैच धोला दाता न्यारा और हुकुमचंद पब्लिक स्कूल के बीच रहेगा। जीतने वाली मेमोरियल कब की दावेदार रहेगी।

कानाखेड़ी पंचायत के गांव कालेडी दो बच्चों की नाडी में डूबने से मौत

चमकता राजस्थान

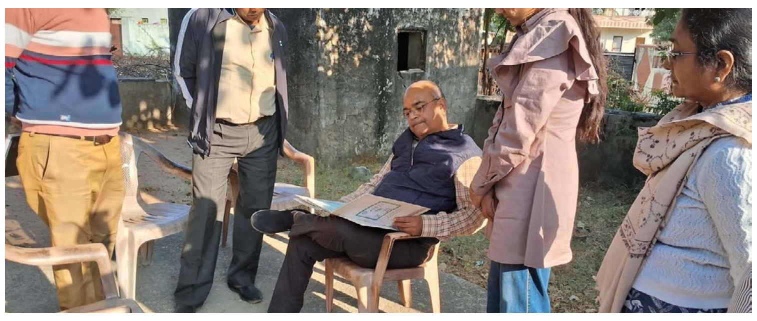

राजकीय प्राथमिक विद्यालय
कालेडी
ग्राम पंचायत कानाखेड़ी, पं.स. श्रीनगर
जिला-अजमेर (राज.)
राज्य सरकार की उत्कृष्ट विद्यालय योजनान्तर्गत चयनित
अशोक चक्र
बाघ

रघुनंदन पारीक /श्रीनगर। अजमेर /नसीराबाद -कानाखेड़ी पंचायत के गांव कालेडी में गुरुवार दोपहर सरकारी स्कूल के लंच टाइम में दीवार फांदकर कर गए दो बच्चों की नाडी में डूबने से जेएलएन अस्पताल में मौत हो गई। मृतक बच्चों के नाम आयुष उम्र 11 साल पुत्र जगमाल सिंह रावत तथा बाबू सिंह उम्र 9 साल पुत्र धारा सिंह हैं । दोनों का लेडी के सरकारी प्राथमिक स्कूल में पढ़ते हैं। श्रीनगर थाने के थाना दीवान भागचंद ने बताया कि गुरुवार दोपहर। कालेडी गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय से पांचवी कक्षा में पढ़ने वाला आयुष पुत्र जगमाल सिंह उम्र 11 साल तथा तीसरी कक्षा में अध्यनरत बाबू सिंह पुत्र दारा सिंह उम्र 9 साल स्कूल से लंच टाइम में बाहर निकाल कर कालेडी गांव के पीछे जेसीबी से बने हुए एक गड्ढा जिसमें 10 -12 फीट पानी भरा हुआ है उसमें उतर गए।। उनके साथ गांव का एक और लड़का भी था ।उसने गांव की ओर दौड़ कर आकर ग्रामीणों को बताया कि दोनों नाडी में डूब गए हैं । जानकारी मिलने पर श्रीनगर थाने से थाना दीवान बाढकैंड में पुलिस जाता मौके पर पहुंचे घटना की जानकारी मिलने पर नसीराबाद पुलिस उपाधीक्षक जनरैल सिंह भी मौके पर पहुंच गए। श्रीनगर थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला और उन्हें श्रीनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर पहुंचे चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर उन्हें अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कान्हा खेती के राजकीय प्राथमिक विद्यालय की संस्था प्रधान पुष्पा आंख के ऑपरेशन के चलते मेडिकल अवकाश पर थी। स्कूल में केवल एक अध्यापिका राजू यादव ही कार्यरत थी। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राकेश कटारा तथा अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमंत बितवल भी मौके पर पहुंच गए। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राकेश कटारा ने बताया कि विद्यालय की अध्यापिका राजू यादव ने उन्हें जानकारी दी की 1:00 लंच हो गया। कायत अध्यापिका राजू यादव भी खाना खाने लगी कुछ बच्चे स्कूल की दीवार लाघकर बाहर भाग गए। लंच टाइम पूरा होने के बाद अध्यापिका ने स्टूडेंट की काउंटिंग की तो पता चला कि तीन छात्र स्कूल में मौजूद नहीं है तब कुछ छात्रों को उनका पता करने के लिए गांव में भेजा। जानकारी के अनुसार स्कूल की पांचवी कक्षा में पढ़ने वाला आयुष तथा तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला बाबू सिंह तथा उनके साथ एक अन्य लोकेश स्कूल से भाग कर नदी की ओर चले गए। बताया जाता है कि आयुष और बाबू सिंह में से दोनों में से एक पहले नाडी में यह कहते हुए उतर गया कि देखते हैं कि कितना गहरा पानी है। दूसरा बोला कि वह अभी तक बाहर क्यों नहीं आया मैं जाकर देखा हूं तो दूसरा भी नदी में उतर गया इस तरह दोनों नदी में डूब गए । उनके साथ नाडी पर गया लोकेश दौड़कर गांव की ओर भागा ।और ग्रामीणों को बताया कि दोनों पानी में डूब गए हैं ।तब जाकर गांव वाले मौके पर पहुंचे। खबर लिखे जाने तक श्रीनगर थाने से ड्यूटी ऑफिसर भागचंद अस्पताल के लिए रवाना हो गए ।जेएलएन अस्पताल में दोनों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929